केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू संसद के मानसून सत्र के दौरान नई दिल्ली में गुरुवार, 8 अगस्त, 2024 को लोकसभा में बोलते हुए। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 97 दिनांक:09-08-2024 शुक्रवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

8 अगस्त 2024 को पेरिस में कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में स्पेन पर जीत के बाद भारतीय गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश को कप्तान हरमनप्रीत सिंह गोद में उठाते हुए।

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पेश...इंडिया गठबंधन समेत पूरा विपक्ष उतरा विरोध पर...

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आज लोकसभा में वक्फ कानून में संशोधन के लिए बिल पेश किया। इस बिल का कांग्रेस, सपा, एनसीपी (शरद पवार), एआईएमआईएम, टीएमसी, सीपीआई (एम), आईयूएमएल, डीएमके, आरएसपी ने विरोध किया। विपक्ष के विरोध को देखते हुए सरकार ने खुद बिल को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का भी प्रस्ताव रखा। दरअसल, विगत लोकसभा चुनाव में विपक्ष मजबूत होकर उभरा है। इसका असर सदन में भी दिखने लगा है। विपक्ष के विरोध और दमदारी का ही असर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 10 साल के शासनकाल में पहली बार किसी बिल को जेपीसी के पास भेजा गया है।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल राव ने कहा- सरकार कम्युनिटीज के बीच में विवाद पैदा करना चाहती है। रुढ्ढरूढ्ढरू सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, इस बिल को लाकर आप (केंद्र सरकार) देश को जोडऩे का नहीं, बल्कि बांटने का काम कर रहे हैं। यह विधेयक इस बात का सबूत है कि आप मुसलमानों के दुश्मन हैं। किरेज रिजिजू ने कहा कि वक्फ एक्ट में पहले भी संशोधन हुए हैं। हम सच्चर कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर बदलाव कर रहे हैं। इस कमेटी को आपने (कांग्रेस) ही बनाया था। वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन बिल पास होने के बाद वक्फ बोर्ड किसी भी संपत्ति को अपना नहीं बता सकेगा। अभी वक्फ के पास किसी भी जमीन को अपनी संपत्ति घोषित करने की शक्ति है। जमीन पर दावे से पहले उसका वेरिफिकेशन करना होगा। इससे बोर्ड की मनमानी पर रोक लगेगी। बोर्ड के पुनर्गठन से बोर्ड में सभी वर्गों समेत महिलाओं की भागीदारी भी बढ़ेगी। मुस्लिम बुद्धिजीवी, महिलाएं और शिया और बोहरा जैसे समूह लंबे समय से मौजूदा कानूनों में बदलाव की मांग कर रहे हैं।

जैसे ही संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन में जैसे ही विधेयक पेश किया तो विपक्ष के सासंदों ने हंगामा खड़ा करना शुरू कर दिया। विपक्ष ने एक सुर में सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह संविधान पर हमला है। इसके जवाब में रिजिजू ने कहा कि वक्फ विधेयक में किसी भी धार्मिक समुदाय की आजादी में हस्तक्षेप नहीं किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मसौदा कानून में कानून के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं किया गया है।

उधर, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगी दलों जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) और तेलगू देशम पार्टी (तेदेपा) ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य वक्फ बोर्ड के संचालन में पारदर्शिता लाना है। लोकसभा में सरकार द्वारा विधेयक पेश करने के बाद जदयू नेता राजीव रंजन सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि यह विधेयक मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, 'सदन में कई सदस्यों ने वक्फ बोर्ड कानून में संशोधन के खिलाफ आवाज उठाते हुए कहा कि यह मुस्लिम विरोधी है। विपक्ष ने इस दौरान राम मंदिर का उदाहरण दिया। क्या आप मंदिर और संस्थान के बीच का फर्क नहीं जानते? यह किसी मस्जिद में हस्तक्षेप से जुड़ा मामला नहीं है। यह कानून एक संस्थान में पारदर्शिता के लिए लाया जा रहा है।'

अमित शाह ने विपक्ष पर मुसलमानों को भ्रमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मौजूदा विधेयक में संशोधन की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि इसमें बहुत सारी गलतियां हैं। वक्फ संशोधन विधेयक का उद्देश्य वक्फ अधिनियम 1995 का नाम बदलना भी है। बताया गया है कि वक्फ अधिनियम 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 रखा जाएगा। सदन में इस विधेयक को पेश करने से पहले, मंगलवार की रात इसे सभी लोकसभा सांसदों के साथ साझा किया गया।

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, हम हिंदू हैं लेकिन साथ ही हम दूसरे धर्मों की आस्था का भी सम्मान करते हैं। यह बिल महाराष्ट्र, हरियाणा चुनावों के लिए खास है। आप यह नहीं समझते कि पिछली बार भारत की जनता ने आपको साफ तौर पर सबक सिखाया था। यह संघीय व्यवस्था पर हमला है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- वक्फ प्रॉपर्टी पब्लिक प्रॉपर्टी नहीं है। वक्फ प्रॉपर्टी का मतलब मस्जिद और दरगाह की जगह है। सरकार कह रही है कि हम महिलाओं को मैंबर बनाएंगे। क्या वे बिलकिस बानो को मैंबर बनाएंगे। यह सरकार मुसलमानों की दुश्मन है।

आरबीआई ने लगातार नौवीं बार रेपो दर 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को चालू वित्त वर्ष की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार नौवीं बार रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया और इसे 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के छह सदस्यों में से चार ने नीतिगत दर को यथावत रखने के निर्णय के पक्ष में मत दिया। इसके साथ ही एमपीसी ने उदार रुख को वापस लेने का रुख बरकरार रखा है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इसका उपयोग करता है। रेपो दर को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखने का मतलब है कि मकान, वाहन समेत विभिन्न कर्जों पर मासिक किस्त (ईएमआई) में बदलाव की संभावना कम है। दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक ने 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 फीसदी पर बरकरार रखा है। चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति के 4.5 प्रतिशत रहने के अनुमान को भी बरकरार रखा गया है। जून में रिटेल महंगाई बढ़कर 5.08 फीसदी पर पहुंच गई थी। यह महंगाई का 4 महीने के उच्च स्तर पर थी। अप्रैल में महंगाई 4.85 फीसदी रही थी। वहीं मई में महंगाई 4.75 फीसदी रही थी। फरवरी, 2023 से रेपो दर 6.5 प्रतिशत के उच्चस्तर पर बनी हुई है। 2024-25 की दूसरी बैठक चुनावी नतीजे आने के बाद जून में हुई थी, उस समय भी रेपो दर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया। इस बार ये बैठक बजट के बाद हो रही है। ऐसे में लोगों को उम्मीद थी कि शायद आरबीआई इस बार ब्याज दरों को घटा सकता है।

पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने जीता कांस्य

पेरिस ,08 अगस्त

पेरिस ओलंपिक खेलों में भारतीय हॉकी टीम ने गुरुवार को इतिहास रच दिया। फाइनल में स्पेन को 2-1 से हराकर टीम इंडिया ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

इस शानदार जीत ने विनेश फोगाट के ओलंपिक्स से बाहर होने के दर्द पर कुछ मरहम लगाया है। सोशल मीडिया में हॉकी टीम की इस ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया जा रहा है, जिसमें बॉलीवुड सेलिब्रिटीज भी शामिल हैं। पेरिस में कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में स्पेन पर जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत सिंह द्वारा भारतीय गोलकीपर पी.आर. श्रीजेश को ले जाया जा रहा है।नीरज चोपड़ा ने मंगलवार (6 अगस्त, 2024) को सीजन के सर्वश्रेष्ठ 89.34 मीटर थ्रो के साथ पुरुषों की भाला फेंक के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वह मौजूदा ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा विश्व चैंपियन के रूप में आज (8 अगस्त, 2024) फाइनल में भाग लेंगे।

अंतिम पंघाल और उनके पूरे दल को पेरिस से एक बड़े अनुशासनात्मक उल्लंघन के लिए निर्वासित किया जा रहा है, जहां युवा पहलवान ने अपना आधिकारिक मान्यता कार्ड अपनी बहन को सौंप दिया, जिसे खेल गांव से बाहर निकलते समय सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ लिया था।

भारतीय पहलवान विनेश फोगट ने गुरुवार (8 अगस्त, 2024) को 50 किग्रा वर्ग के पेरिस ओलंपिक फाइनल से अयोग्य घोषित होने के एक दिन बाद कुश्ती से संन्यास की घोषणा की। अनुभवी पहलवान को फाइनल से पहले सुबह के वजन में अनुमेय सीमा से 100 ग्राम अधिक वजन होने के बाद अयोग्य घोषित किया गया था। ठयह खत्म करने का बेहतर तरीका है,ठ प्रतिष्ठित भारतीय गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने गुरुवार (8 अगस्त, 2024) को कहा, उन्होंने पेरिस ओलंपिक खेलों में टीम को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने के बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लेने के अपने फैसले को पलटने की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया।

श्रीजेश के अपने आखिरी मैच में खेलने के साथ, भारत ने तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में स्पेन को 2-1 से हराकर शोपीस में लगातार दो कांस्य पदक जीते। आखिरी बार, भारतीय हॉकी टीम ने लगातार ओलंपिक पोडियम फिनिश 1972 में हासिल की थी। श्रीजेश ने 'जियो सिनेमा' पर कहा, ठमुझे लगता है कि पदक के साथ ओलंपिक खेलों को खत्म करने का यह बेहतर तरीका है। हम खाली हाथ घर नहीं जा रहे हैं, यह बहुत अच्छी बात है।ठ श्रीजेश ने मैच के बाद कहा, ठमैं लोगों की भावनाओं का सम्मान करता हूं (जो चाहते थे कि वह खेल जारी रखें)। लेकिन कुछ फैसले कठिन होते हैं, लेकिन सही समय पर फैसला लेने से स्थिति और भी सुंदर हो जाती है।ठ उन्होंने कहा, ठइसलिए, मेरा फैसला बरकरार है।ठ यह पूछे जाने पर कि क्या वह पुनर्विचार कर सकते हैं। केरल के 36 वर्षीय खिलाड़ी, जिनका शानदार करियर 18 साल तक चला, ने ओलंपिक से पहले घोषणा की थी कि वह भारत के अभियान के अंत में खेल को अलविदा कह देंगे। श्रीजेश ने कहा, ठटीम ने शानदार काम किया और इस खेल को इतना खूबसूरत बना दिया।ठ वह भारत के अब तक के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के रूप में खेलेंगे। वह टोक्यो में कांस्य जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे, जहाँ देश ने 41 साल बाद पदक जीता था।

''टोक्यो का मेरे दिल में एक खास स्थान है। उस (कांस्य) ने हमें फिर से यह विश्वास दिलाया कि हम (ओलंपिक में) पदक जीत सकते हैं।'' 'भारतीय हॉकी की महान दीवार' ने भारत के लिए 300 से ज़्यादा मैच खेले। पेरिस में, वह बेहतरीन फॉर्म में थे और उन्होंने नियमित समय के साथ-साथ पेनल्टी शूट-आउट के दौरान देश के लिए कई महत्वपूर्ण बचाव किए। स्पेन को पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए अंतिम क्षणों में बराबरी करने का एक और मौक़ा मिला। स्पेन ने पेनल्टी स्ट्रोक के लिए रेफरल की कोशिश की, लेकिन उसे नकार दिया गया। पेनल्टी कॉर्नर बना रहा। श्रीजेश ने बचाया, लेकिन स्पेन को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। यह कैसा मैच था? भारतीय डिफेंस से खूबसूरती से बचा लिया गया। भारत ने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता।

भारत को तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह का एक और गोल। भारत 2-1 से आगे। रेफ़रल के बाद, भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। भारत चूक गया। दूसरे क्वार्टर में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत ने इस बार चूक नहीं की और गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। पहले हाफ़ में 12 मिनट शेष रहते स्पेन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला।

विनेश ने कुश्ती से संन्यास लिया, बोली मां मैं हार गई अब हिम्मत और ताकत नहीं रही

पेरिस (ईएमएस)। महिला पहलवान विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक में फाइनल से ठीक पहले अयोग्य घोषित किये जाने से निराश होकर कुश्ती को अलविदा कह दिया है। विनेश ने सोशल मीडिया में संन्यास की घोषणा करते हुए मां को लिखा, 'कुश्ती जीत गई, मैं हार गई अब न हिम्मत है और न ताकत है।

50 किलोग्राम फ्रीस्टाइल फाइनल में विनेश का वजन फाइनल वाले दिन तय सीमा से थोड़ा ज्यादा पाया गया, जिसके बाद उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ने अपने प्रशंसकों से भी माफी मांगते हुए कहा कि मैं उनक पदक का सपना पूरा नहीं कर पायी। अब मेरा हौसला जवाब दे गया है इसलिए मैं और कुश्ती नहीं लड़ सकतीं। उन्होंने कहा, 'मां कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना, आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट गये हैं। इससे ज़्यादा ताकत नहीं रही। अलविदा कुश्ती 2001-2024। आप सबकी हमेशा आभारी रहूंगी, पदक न ला पाने के लिए माफी मांगती हूं।'

अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ विनेश ने खेल पंचाट (कैस) में अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त रजत पदक दिया जाए। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने भी इसकी पुष्टि की है। विनेश ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान हैं। उन्हें अयोग्य ठहराये जाने से देश भर में उनके प्रशंसक दुखी हैं। इन सभी ने विनेश से अपील की है कि वह संन्यास नहीं लेंप्रशंसकों का मानना है कि वह अपने फैसले पर फिर विचार करे और आने वाले मुकाबलों की तैयारी करे।

जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र में एक साथ हो सकते हैं विधानसभा चुनाव

चुनाव आयोग इन राज्यों का करेगा दौरा फिर होगा फैसला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव एक साथ हो सकते हैं। झारखंड चुनाव अलग से होने की बात कही जा रही है। इस पर आखिरी फैसला 20 अगस्त तक लिया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक जम्मू कश्मीर के बाद चुनाव आयोग हरियाणा और महाराष्ट्र का दौरा करेगा। 12-13 अगस्त को हरियाणा के दौरे पर चुनाव आयोग जाएगा।

हरियाणा के बाद चुनाव आयोग महाराष्ट्र का भी दौरा करेगा। जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव, झारखंड का चुनाव अलग होने की संभावना बरकरार है।

हरियाणा और महाराष्ट्र में अक्टूबर में मतदान होना है। जम्मू कश्मीर में सितंबर-अक्टूबर में मतदान संभावित है। जम्मू कश्मीर में चुनाव कराने का अंतिम फैसला सभी से बात करने के बाद होगा। हालांकि चुनाव आयोग ने अब तक जो चुनावी दिशा निर्देश जारी किए हैं वह जम्मू कश्मीर हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के लिए भी हैं, लेकिन चुनाव आयोग के पास झारखंड के चुनाव को अलग करने का भी विकल्प मौजूद है।

सूत्रों के मुताबिक शुक्रवार 9 अगस्त को आयोग की टीम सुबह जम्मू के लिए रवाना होगी। इससे पहले श्रीनगर में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से मुलाकात करेगी। टीम जम्मू में दोपहर करीब एक बजे प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक के बाद 2:30 बजे पत्रकारवार्ता करेगी। शाम 4:30 बजे टीम दिल्ली के लिए रवाना होगी। टीम के इस दौरे को जम्मू-कश्मीर में आगामी चुनावों की समय सीमा और तौर-तरीके तय करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

केरल में मिला नया वायरस, 5 की मौत

-ब्रेन पर असर डालता है,15 केस सामने आए

नई दिल्ली(ईएमएस)। केरल में ब्रेन पर असर डालने वाला नया वायरस मिला है। इससे जनवरी से अब तक कुल 15 केस सामने आए हैं, जिनमें 5 लोगों की मौत हो चुकी है। इस वायरस को अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस नाम दिया गया है। इस वायरस के सबसे अधिक 7 केस तिरुवनंतपुरम से सामने आए हैं। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि इसको लेकर एक मेडिकल बोर्ड गठित किया गया है, जो स्थिति पर नजर बनाए हुए है। हालांकि अब तक कोई गाइडलाइन नहीं बनाई गई है। लेकिन वायरस से इलाज के लिए केंद्र सरकार ने दवाईयों की आपूर्ति की है। साथ ही जर्मनी से दवाइयां खरीदी जा रही हैं।

महाराष्ट्र के पुणे में जीका वायरस के 8 नए केस मिले। इनमें 6 प्रेग्नेंट महिलाएं शामिल है। पुणे नगर निगम के मुताबिक, जून से अब तक करीब 81 मामले सामने आए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि, अब तक इस वायरस से 4 मरीजों की मौत हो चुकी है। हालांकि ये सभी मरीज अन्य बीमारियों से भी ग्रसित थे।

केंद्र सरकार बदलेगी महंगाई का फार्मूला

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार महंगाई दर के मानक को बदलने की तैयारी कर रही है। खाद्य सामग्रियों के जो आंकड़े अभी दिए जा रहे हैं। उन खाद्य सामग्रियों में परिवर्तन किया जाएगा। मानक बदल जाने से आने वाले समय में महंगाई दर के मानक भी बदल जाएगें ।

आर्थिकी एवं सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा मानक के लिए नया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स तैयार किया जा रहा है। वर्तमान में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स बास्केट में 54।5 फीसदी वेज फुड और ब्रेवरेज केटेगरी का होता है। इसमें बदलाव किया जा रहा है। ताकि महंगाई की तेजी को रोका जा सके। सरकार के ऊपर महंगाई भत्ते के रूप में जो बोझ बढ़ रहा है। उसे सरकार इस तरह से नियंत्रित करना चाहती है।

विनेश मामले में विपक्ष का रवैया.......संसदीय मर्यादाओं का उल्लंघन

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यसभा में नेता सदन और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा है कि विनेश फोगाट मामले पर विपक्ष ने जो व्यवहार किया है, उससे संसदीय मर्यादाओं का उल्लंघन हुआ है। दरअसल, गुरुवार को राज्यसभा में विपक्षी सांसद विनेश को ओलंपिक में अयोग्य घोषित करने का मुद्दा उठाना चाहते थे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस मुद्दे पर अपनी बात रखना चाहते थे। लेकिन

इसके लिए विपक्ष को अनुमति नहीं मिली। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा किया। हंगामा के बाद नेता सदन नड्डा ने कहा कि प्रजातंत्र में सभी दलों को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन प्रजातंत्र भी एक व्यवस्था के अनुसार चलता है।

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस का व्यवहार जिस तरह से चेयर के प्रति रहा है, वह निंदनीय है। जहां तक विनेश का सवाल है, यह कोई पक्ष और विपक्ष का सवाल नहीं है, यह देश का सवाल है। सारा देश उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री मोदी ने विनेश के लिए कहा कि वह चैंपियन ऑफ चैंपियंस हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सारा देश उनके साथ खड़ा है। सारे देश को लगता है कि प्रधानमंत्री की आवाज देश के 140 करोड़ लोगों की आवाज है।

वहीं सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि इस पवित्र सदन को अराजकता का केंद्र बनाना, भारतीय प्रजातंत्र के ऊपर कुठाराघात करना, अध्यक्ष की गरिमा को धूमिल करना, शारीरिक रूप से चुनौतीपूर्ण वातावरण करना यह अमर्यादित आचरण नहीं है, यह हर सीमा को लांघने वाला आचरण है।

यूपीआई से कर भुगतान की सीमा एक लाख से बढ़कर पांच लाख हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई के जरिये कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपए से बढ़ाकर पांच लाख बढ़ाने की गुरुवार को घोषणा की। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की मंगलवार को शुरू हुई तीन दिन की बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि यूपीआई अपनी सहज सुविधाओं से भुगतान का सबसे पसंदीदा तरीका बन गया है। वर्तमान में यूपीआई के लिए कर भुगतान की सीमा एक लाख रुपये है। विभिन्न उपयोग-मामलों के आधार पर, रिजर्व बैंक ने समय-समय पर पूंजी बाजार, आईपीओ अभिदान, ऋण संग्रह, बीमा, चिकित्सकीय और शैक्षिक सेवाओं आदि जैसी कुछ श्रेणियों के लिए सीमाओं की समीक्षा की है और उन्हें बढ़ाया है। चूंकि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर भुगतान सामान्य, नियमित तथा उच्च मूल्य के हैं। इसलिए यूपीआई के जरिये कर भुगतान की सीमा को एक लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख प्रति लेनदेन करने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में आवश्यक निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। आरबीआई के अनुसार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोगकर्ता आधार 42.4 करोड़ हो गया है। हालांकि, उपयोगकर्ता आधार के और विस्तार की संभावना है। यूपीआई में डेलिगेटेड पेमेंट्स शुरू करने का भी प्रस्ताव है। दास ने कहा कि डेलिगेटेड पेमेंट्स से एक व्यक्ति (प्राथमिक उपयोगकर्ता) को प्राथमिक उपयोगकर्ता के बैंक खाते पर किसी अन्य व्यक्ति (द्वितीयक उपयोगकर्ता) के लिए यूपीआई लेनदेन सीमा निर्धारित करने की अनुमति मिलेगी। इससे देशभर में डिजिटल भुगतान की पहुंच और उपयोग में वृद्धि होने की उम्मीद है। इस संबंध में भी विस्तृत निर्देश जल्द ही जारी किए जाएंगे।

जापान में 7.1 तीव्रता का भूकंप

टोकियो(ईएमएस)। जापान में गुरुवार को 7.1 तीव्रता के भूंकप के झटके महसूस हुए हैं। इसके बाद सुनामी का अलर्ट जारी किया गया है। भूकंप का केंद्र जापान का क्युशू द्वीप में जमीन से करीब 8.8 किमी नीचे बताया जा रहा है। मियाजाकी, कोची, ओएटा, कागोशिमा और इहिमे शहर में सुनामी की एडवाइजरी जारी की गई है। इससे पहले 1 जनवरी को जापान में 7.6 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 318 लोगों की मौत हुई थी और 1300 लोग घायल हुए थे। इशिकावा में भूकंप से कई जगहों पर आग लग गई थी। इससे 200 इमारतें जलकर खाक हो गई थीं। इससे पहले मार्च 2011 में जापान में अब तक का सबसे खतरनाक भूकंप आया था, जिसमें 16 हजार लोगों की मौत हो गई थी।

नीट पीजी परीक्षा स्थगित करने की याचिका को आज सुनेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की सर्वाच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि मेडिकल के स्नातकोत्तर पाठयक्रम में दाखिले के लिए 11 अगस्त को निर्धारित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-पीजी) 2024 में कुछ व्यवहारिक परेशानियों के कारण स्थगित करने की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ता विशाल सोरेन और अन्य के अधिवक्ता अनस तनवीर की ओर से मामले का उल्लेख करते हुए शीघ्र सुनवाई करने की गुहार स्वीकार कर शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध करने क निर्देश दिया। सीजेआई ने शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री को निर्देश दिया, कृपया कल सूचीबद्ध करें। श्री सोरेन द्वारा दायर याचिका में दलील दी गई है कि अभ्यर्थियों को एन वक्त पर उन शहरों में परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद मुश्किल हो रहा है। उन्हें अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। याचिका में कहा गया है कि परीक्षा शहरों का आवंटन 31 जुलाई को किया गया और परीक्षा केंद्रों की घोषणा 8 अगस्त को की जानी है। इस प्रकार अभ्यर्थियों को 11 अगस्त को परीक्षा के लिए संबंधित केंद्रों तक पहुंचने के लिए बहुत कम समय दिया गया। इसके अलावा परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जानी है। इतना ही नहीं सामान्यीकरण सहित अन्य फॉर्मूले के बारे में अभ्यर्थियों को कुछ भी मालूम नहीं है। इस वजह से याचिकाकर्ताओं को कई प्रकार की आशंका हो रही है।

पीर पंजाल में बढ़ा गतिरोध, भारत पहले ही प्रॉक्सी वॉर का कर रहा सामना

सीडीएस बोले-हमारे पड़ोस में अस्थिरता भी हमारे लिए चिंता की वजह

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर फिर तनाव बढ़ने लगा है। भारतीय सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान ने गुरुवार को कहा है कि पीर पंजाल क्षेत्र में अचानक गतिरोध बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हो रही हिंसा की वजह से चिंताएं पैदा हो गई हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बीच दूसरे देशों के साथ सीमा पर तनाव पहले से ही कायम है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में एक कॉन्फ्रेंस में सीडीएस अनिल चौहान ने कहा कि भारत के पास सुरक्षा चुनौतियों का अपना हिस्सा है। हम पहल से ही जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की ओर से छेड़े प्रॉक्सी वॉर से लड़ रहे हैं। इसमें अब अचानक से पीर पंजाल रेंज में गतिरोध में इजाफा हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि चीन के साथ लंबे समय से चला आ रहा सीमा विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है।

सीडीएस ने बांग्लादेश हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि हम इस वक्त दो प्रमुख चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिसमें हमारे पड़ोस में अस्थिरता भी हमारे लिए चिंता की वजह है। भारत जैसे बड़े देश के लिए सुरक्षा संबंधी बहुत सारी समस्याएं हैं। उन्होंने कहा भारत युद्धक हथियारों के लिए विदेशी आयात पर निर्भर नहीं रह सकता। खासतौर पर तब जहां वैश्विक सुरक्षा और सरकार हमेशा अस्थिर स्थिति का सामना करती है।

सीडीएस का बयान ऐसे समय आया है, जब जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में इजाफा देखने को मिला है। जुलाई के महीने में कई बार आतंकी घटनाएं हुईं, जिसमें सेना के कई जवान भी शहीद हुए। अब बांग्लादेश राजनीतिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है। शेख हसीना पीएम पद से इस्तीफा देकर भारत में शरण ली हुई हैं। फिलहाल बांग्लादेश की सेना ने कमान संभाली हुई है।

वन नेशन-वन इलेक्शन के पक्ष में 32 दल....विरोध में 15

15 राजनीतिक दल ने कोई जबाव नहीं दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संसद में बड़ा बयान दिया है। वन नेशन-वन इलेक्शन को लेकर उन्होंने कहा कि 32 पार्टियां एक देश-एक चुनाव के पक्ष में हैं। जबकि, 15 राजनीतिक दल इसके विरोध में थे। उल्लेखनीय है कि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में वन नेशन-वन इलेक्शन पर विचार के लिए एक कमेटी बनाई गई थी। कमेटी ने 14 मार्च 2024 को 18,626 पन्नों की एक रिपोर्ट वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि एक देश, एक चुनाव को लेकर कमेटी ने 62 पार्टियों से संपर्क किया था।

इसमें 62 में से 47 दलों ने ही जवाब दिया था, इसमें से 32 पार्टियों ने वन नेशन-वन इलेक्शन का समर्थन किया। इसके अलावा 15 दलों ने वन नेशन-वन इलेक्शन नीति का विरोध किया और 15 पार्टियों ने इसका कोई जवाब नहीं दिया। इसमें कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, बसपा ने भी वन नेशन-वन इलेक्शन के प्रस्ताव का विरोध किया था।

वहीं, भाजपा ने इसका समर्थन किया था। हाईकोर्ट के तीन रिटायर्ड जजों ने भी इस प्रस्ताव पर अपनी असहमति जाहिर की। विरोध करने वाले जजों में दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस अजीत प्रकाश शाह, कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस गिरीश चंद्र गुप्ता और मद्रास हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस संजीब बनर्जी शामिल हैं। हालांकि, हाईकोर्ट के 9 पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने प्रस्ताव का समर्थन किया था।

बता दें कि वन नेशन-वन इलेक्शन (एक देश, एक चुनाव) एक प्रस्तावित चुनावी प्रणाली है। इसमें देश में एक ही समय पर सभी चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इसका मतलब है कि लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ हो।

शेख हसीना को शरण देकर भारत ने निभाई परंपरा, नई सरकार से भी न बिगड़ें रिश्ते

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने बांग्लादेश के हालात पर रखी अपनी राय

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अक्सर अपने बयानों को लेकर विवादों में रहने वाले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने बांग्लादेश को लेकर कहा है कि बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को शरण देकर भारत ने अपनी सांस्कृतिक परंपरा निभाई है, लेकिन भारत को बांग्लादेश की नई सरकार से भी अपने रिश्ते नहीं बिगाड़ने चाहिए। अय्यर ने ये बात एक साक्षात्कार में कही है।

कांग्रेस नेता अय्यर ने कहा मुझे खुशी है कि हिंदुस्तान ने शेख हसीना का स्वागत किया है, और यह भी इशारा किया है कि जब तक कि वह कहां जाकर बसना चाहती हैं, तब तक उनका भारतवर्ष में स्वागत है। अय्यर ने कहा कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्रियों में से भारत देश के लिए सबसे बेहतरीन पीएम शेख हसीना ही रही हैं। उन्होंने कहा कि शेख हसीना की सोच सेकुलर है। उन्होंने अपने देश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के बचाव के लिए उनकी प्रगति के लिए बहुत कुछ किया है, जो काबिल-ए-तारीफ है।

अय्यर ने कहा कि लेकिन बांग्लादेश में जो नई सरकार आ रही है हमें यह मानना चाहिए कि यह तय करना बांग्लादेश का हक है कि वहां कौन सरकार चलाएगा और जो भी आए उनके साथ अच्छे संबंध कायम करना हमारा फर्ज बनता है। ऐसा न हो कि हसीना की खातिर हम अपने रिश्ते बांग्लादेश से बिगाड़ लें। उन्होंने कहा कि शेख हसीना भारत की बहुत करीबी दोस्त रही हैं और आज उनके मुश्किल समय में भारत ने उन्हें शरण दी है। भारत हमेशा से शरण देता आया है। हमारी विरासत में यह है कि हमारे दोस्त जब दिक्कत में हों तो उनको भरोसा होना चाहिए कि उनको भारत में शरण मिलेगी।

बता दें बांग्लादेश में नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन उग्र रूप ले चुका है। हालात ऐसे हो गये कि पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। वह इस समय भारत में हैं। गुरुवार रात बांग्लादेश में नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार का शपथ ग्रहण होना है। अय्यर ने कहा कि खबरें आ रही हैं कि बांग्लादेश के घटनाक्रम के पीछे शायद पाकिस्तान और अमेरिका का दखल रहा हो, लेकिन अब तक कोई पक्के सबूत नहीं मिले हैं।

भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ बातचीत के बारे में उन्होंने ने कहा कि हमारे देश के अल्पसंख्यकों के लिए उसके साथ बातचीत जरूरी है। दुनिया को ऐसा लगना चाहिए कि जो देश विश्व गुरु बनना चाहता है वह अपने ही पड़ोस में जो उनके दुश्मन हैं, उनके साथ वार्तालाप करके मसलों का हल निकालने का प्रयास कर रहा है।

जन हितैषी

विनेश फोगाट का कुश्ती से संन्यास, कुश्ती में जीत, राजनीति के दांव पेंच में हार

भारत की दिग्गज मुक्केबाज और ओलंपिक मेडल विजेता विजेंद्र सिंह ने कहा है, कि भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट कुश्ती के दांव-पेंच जानती हैं। राजनीति और साजिश के दांव-पेंच वह नहीं जानती हैं। जिसके कारण ओलंपिक में जीत कर भी विनेश फोगाट हार गईं हैं। 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण उसे फाइनल में खेलने से रोक दिया गया। विनेश फोगाट को ओलंपिक खेलों से बाहर कर दिया गया। जबकि कुश्ती के 3 मैच लगातार जीतकर उसने फाइनल में जगह बनाई थी। जिस तरह से उसने तीनों मैच खेले थे। उसके बाद भारत में खुशी और हर्ष की लहर दौड़ गई थी। विनेश फोगाट स्वर्ण पदक लेकर भारत वापस लौटेगी। इसको लेकर देशभर में उत्सव शुरू हो गया था। यही खुशी और उत्सव विनेश फोगाट पर भारी पड़ गई। विनेश फोगाट ने जिस तरह से कुश्ती संघ के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह से यौन शोषण के मामले मे उन्होंने लड़ाई लड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट में लड़ाई लड़ने के बाद भी जब सफलता नहीं मिली तो जंतर-मंतर में प्रदर्शन भी किया। सरकार से उसको कोई मदद नहीं मिली। पास्को का अपराध दर्ज होने के बाद भी बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी नहीं हुई। नई लोकसभा का जिस दिन उद्घाटन हो रहा था। उस दिन उसे एवं अन्य पहलवानों को दिल्ली की सड़कों पर घसीटा गया। उसके बाद भी उसने लड़ना नहीं छोड़ा। कुश्ती संघ ने पूरी कोशिश की थी, विनेश फोगाट ओलंपिक खेलने नहीं जा पाएं। इसके बाद भी लड़ाकू विनेश फोगाट डटी रही। कुश्ती संघ और सरकार से लड़ती रही। 4 महीने पहले ही उसने कुश्ती संघ द्वारा जिस तरीके की साजिश उसके खिलाफ की जा रही थी, उसको लेकर ट्वीट किया था। मजबूरी के कारण खेल मंत्रालय और कुश्ती संघ को उसको पेरिस ओलंपिक भेजना पड़ा। जिस तरह से उसने तीन मैच जीते। उसको लेकर शायद कुश्ती संघ और सरकार असहज हो गई। फाइनल के पहले विनेश फोगाट को जिस तरह से ओलंपिक में अयोग्य घोषित किया गया है। अब उसके जांच की मांग की जा रही है। विनेश फोगाट के साथ कोच और सपोर्ट स्टाफ भी शामिल था। जब सभी को मालूम था, विनेश फोगाट को फाइनल खेलना है। उसके बाद भी जिस तरीके की लापरवाही की गई। उस लापरवाही को साजिश के रूप में देखा जा रहा है। दिनेश फोगाट का वजन तीन मैच खेलने के बाद 2 किलो करीब बढ़ गया था। उसके खाने-पीने और डाइट पर उसने नियंत्रण रखा था। पूरी रात वजन कम करने के लिए एक्सरसाइज करती रही। जब सुबह उसका वजन लिया गया, तो 100 ग्राम ज्यादा था। वजन कम करने के लिए उसे निर्धारित समय नहीं दिया गया। विनेश फोगाट को केवल 15 मिनट का समय दिया गया था। जबकि ओलंपिक में 30 मिनट का समय तय है। भारत से जो अधिकारी पेरिस ओलंपिक में गए थे। उन्होंने भारतीय खिलाड़ी का पक्ष सही तरीके से ओलंपिक में नहीं रखा। जिसके कारण विनेश फोगाट को फाइनल नहीं खेलने दिया गया। उलटे उसे ओलंपिक से बाहर कर दिया। भारतीय खेल संघ के अधिकारी चुपचाप यह सारा तमाशा करते और देखते रहे। ओलंपिक में अयोग्ग हो जाने के कारण उसे जो मैच वह जीत चुकी थी। उसका पुरस्कार भी उसे नहीं मिलेगा। यदि वह फाइनल नहीं खेलती तो भी उसको नियमों के अनुसार रजत पदक तो मिलता ही। कुश्ती संघ के जो पदाधिकारी वहां गए थे। भारत की ओर से ओलंपिक के लिए जो अधिकारी पेरिस भेजे गए थे। उन सभी ने पूरी तरह से लापरवाही करते हुए विनेश फोगाट को रजत पदक और स्वर्ण पदक से दूर करने मे महत्ती भूमिका का निर्वाह किया है। यह आरोप उन पर लग रहे हैं। संसद में खेल मंत्री ने जिस तरह का जवाब दिया है, उसका भी विरोध देश भर में हो रहा है। विनेश फोगाट के ऊपर खर्च की गईं राशि का ब्योरा उन्होंने दिया। सदन में खिलाड़ी को मदद पहुंचाने के लिए उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा, खेल मंत्री के निराशाजनक जवाब की तीव्र प्रतिक्रिया देश भर में हो रही है। विनेश फोगाट को ओलंपिक में जरूर कोई पदक नहीं मिल पाया। जब वह भारत लौटेंगी, तो युवाओं और खिलाड़ियों के लिए एक प्रतीक और विद्रोह के रूप में वह सामने आएंगी। कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष पर यौन शोषण के आरोप लगाने के बाद जिस तरह से खिलाड़ियों को प्रताड़ित किया गया है। सरकार ने सांसद बृजभूषण शरण सिंह का बचाव किया है। सरकार की मदद से कुश्ती संघ के चुनाव में बृजभूषण के चहेते को अध्यक्ष बनाया गया। ओलंपिक की तैयारी के पहले जिस तरह से आंदोलनकारी खिलाड़ियों को प्रताड़ित किया गया। उससे देश में अब गुस्सा देखने को मिल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ट्वीट में विनेश फोगाट को चैंपियनों का चैंपियन बता दिया। भारत का गौरव और प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्पद बताया। विनेश को जुझारू होने का प्रतीक बताया। इसके बाद प्रधानमंत्री के इस ट्वीट पर खिलाड़ियों के जख्म में मलहम नहीं लगी। विनेश फोगाट ने खिलाड़ियों और युवाओं में लड़ने की एक नई चेतना पैदा कर दी है। खेल संघों में राजनेताओं के पदाधिकारी बनने और खेलों में राजनीति के खिलाफ एक जंग के रूप में भी इसे देखा जा रहा है। विनेश फोगाट शंखनाद की मसाल के रूप में सामने होंगी। सोशल मीडिया में जिस तरीके की प्रतिक्रिया आ रही है। उसकी सबसे महत्वपूर्ण बात यह है, कि विनेश फोगाट और अन्य पहलवानों को जब दिल्ली की सड़कों पर घसीटा जा रहा था, ब्रजभूषण शरण सिंह को सरकार जिस तरह से संरक्षण दे रही थी। ओलंपिक में कुश्ती संघ और ओलंपिक के भारतीय पदाधिकारियों की भूमिका थी। उसको लेकर भारत में जबरदस्त गुस्सा सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा है। इस गुस्से की आग में घी डालने का काम भी सोशल मीडिया में हो रहा है। जहां पर विनेश फोगाट के बारे में तरह-तरह के कमेंट किये जा रहे हैं। इस विवाद की खेल अदालत में अपील की गई है। क्या फैसला आता है, अभी इसका पता नहीं लगा। सभी संदर्भों को एक साथ देखने में, यह कहा जा सकता है। विनेश फोगाट के साथ पेरिस में जो हुआ है। वह सरकार के लिए आगे चलकर एक बड़ा झटका साबित हो सकता है।

विनेश फोगाट हार कर भी जीत गई

पेरिस ओलंपिक 2024 से बाहर होने के बाद भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट की पहली फोटो सामने आई है। तस्वीर में वह अस्पताल के बेड पर लेटी हुई नजर आ रही हैं और चेहरे पर मुस्कुराहट है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने विनेश फोगाट से मुलाकात की। विनेश को महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती स्पर्धा के फाइनल के लिए डिस्क्वॉलिफाई करार दिया गया। फाइनल में उसका वजन 50किलो के अंदर ही रहना चाहिए लेकिन मात्र 100ग्राम ज्यादा होने के वजह से फाइनल में मेडल लाने से चुकी इसमें सरकार की क़ोई गलती नहीं है यदि होती तो ओलम्पिक में भेजते ही नहीं ऐ सारे भारतवाशियों के लिए सदमें से कम नहीं है इसलिए राजनीति रंग देना ठीक नहीं है विनेश फोगाट पर सभी की निगाहें टिकी होगी राजनीति रोटी सेकने हेतु लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक विनेश डिस्क्वालिफाई होने के बाद फिजिकली और मेडिकिली ठीक हैं। पी टी उषा ने विनेश से पेरिस स्थित ओलंपिक गांव के मेडिकल सेंटर में मुलाकात की। कुछ न्यूज चैनलों के पेट में दर्द हो रहा होगा कि विपक्ष बयानवाजी करें और इसे मुद्दा बना लें लेकिन जब क़ोई देश के मान सम्मान पर बात आती है तो खिलाड़ियों में देश प्रेम की भावना रहती है ऐ भारत देश है जिसने अंग्रजो से आजादी दिलवाई इसे गलती से भी बांग्लादेश समझने की भूल ना करे यहाँ की सेनाओं हमेशा देश और लोकतान्त्रिक व्यवस्था के प्रति निष्ठावान रहते हैं इसलिए हमें ऐसे बयान कभी नहीं देना चाहिए जो देश को तोड़ने का काम करे ऐ कुछ न्यूज चैनलों पर ही हवा दी जा रही है कि भारत में भी लोकतंत्र खतरे में है और वैसी स्थिति आ जाएगी हमारे वीर सैनिक अभी भी पुरी मुश्तऐदी से बॉर्डर पर टिकी है कुछ न्यूज चैनलों और उनके चमकीले एंकरों में रत्तीभर भी नैतिकता बची है तो आज अपने शो की शुरुआत इस पहले वाक्य- 'सॉरी विनेश फौगाट ! सॉरी मेरे लाखों दर्शकों ! मुझसे ग़लती हो गयी, हमने ग़लतबयानी की' से कर सकते हैं। ऐसा करके वो सही तो नहीं हो जाएंगे लेकिन हां, जिस पेशे से लाखों कमाते आए हैं, दुनियाभर के ऐश-ओ-आराम की चीज़ें जुटायी है, उस पेशे की लाज, थोड़ी ही सही, बची रह जाएगी। राष्ट्रभक्ति के नाम पर न्यूज चैनल जो अपने दर्शकों के बीच ज़हर भरने का काम करते हैं, कई बार यह ज़हर इस हद तक जाकर बेअसर हो जाता है कि हम आसानी से समझ पाते हैं कि ऐसे चैनल कैसे देश और लोकतंत्र के ख़िलाफ जाकर काम कर रहे हैं। विनेशफोगाट का ओलम्पिक में शानदार प्रदर्शन और पिछले दिनों उनके ख़िलाफ चैनलों की तरह से चलाया गया नफ़रती अभियान इसका एक नमूना भर है। न्यूज चैनल इस देश, लोकतंत्र और नागरिकों के ख़िलाफ जाकर कैसे काम करते हैं, इस सिरे से सोचना शुरु करें तो एक लंबी फेहरिस्त बन सकती है और जिस पर एक-एक करके सार्वजनिक तौर पर माफ़ी मांगने की नौबत आ सकती है। लेकिन यह तब होगा जब इनके भीतर रत्तीभर भी नैतिकता बची होगी। इरादे की मजबूत विनेश फोगाट ने दुनिया के आगे जो परचम लहराया है, वो चैनलों के झूठ का जवाब तो ज़रूर है लेकिन जो इनकी हरकतों से टूट जाते होंगे, सोचकर देखिए तो चैनलों का उन पर कैसा असर होता होगा? मैं फिर दोहराता हूं कि न्यूज चैनल जिस नाम पर ओवरडोज देने का काम अपने दर्शकों के बीच करते हैं वो इस देश के लिए ख़तरनाक है। व्यक्ति अपने उद्देश्यों, लक्ष्यों या संघर्ष में असफल होकर हार मान लेता है। वह अपनी हानि को स्वीकार करता है और आगे बढ़ने की कोशिश नहीं करता। व्यक्ति अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में असफल हो सकता है, लेकिन वह आत्म-संश्रय और साहस से संघर्ष जारी रखता है। वह हार को अपने पथ का एक हिस्सा मानता है, न कि अपने उद्देश्यों से हार मानता है। इन दो अवधारणाओं में अंतर यह है कि हार मान लेना उस व्यक्ति की असफलता को ज़ाहिर करता है, जबकि हार जाना उसकी आत्म-समर्पण और पुनर्निर्माण की भावना को दर्शाता है परन्तु इसका यह अर्थ नहीं होता है कि व्यक्ति अपने उद्देश्यों, लक्ष्यों या संघर्ष में असफल होकर हार मान लेता है। वह अपनी हानि को स्वीकार कर और आगे बढ़ने की कोशिश करता है आज न कल जीत अवश्य मिलेगी। (लेखक- संजय गोस्वामी / ईएमएस)

जंगल अगर दिल है तो धड़कन है आदिवासी

(9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर)

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस। आदिवासियों के मूलभूत अधिकारों की सामाजिक आर्थिक और न्यायिक सुरक्षा के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे विश्व में यह दिन बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा। आदिवासियों के हित, उनके अधिकारों की रक्षा,जल जंगल और जमीन पर उनके एकाधिकार की बातें होंगी। मंच सजेगा ,संगोष्ठियां और चर्चाओं का दौर चलेगा पर क्या आदिवासी जिसकी अस्मिता और अस्तित्व जंगल से परिभाषित होती है उसके जीवन में सामाजिक और आर्थिक रूप से भविष्य में कोई परिवर्तन आएगा।? यह प्रश्न अपनी जगह अटल है।

विश्व के लगभग 193 देशों में आदिवासी निवासरत है लेकिन फिर भी आज तक उनके मूलभूत समस्याओं का भी निराकरण नहीं हो पाया है। अगर हम भारत की परिदृश्य पर नजर डालें तो यह बात निकलकर सामने आती है कि आदिवासी क्षेत्रों के लोग मानसिक आर्थिक राजनीतिक व सामाजिक दृष्टि से छले जा रहे हैं। परिणाम यह हुआ कि विकासशील भारत में आदिवासी समाज 50 वर्ष पीछे चला गया। झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में आदिवासियों की बदहाल छवि विकासशील भारत के के अंदर एक अविकसित भारत को प्रस्तुत करती है।

अगर मैं बात करूं झारखंड के विकास के जमीनी हकीकत की जिस की राजनीति की धुरी ही आदिवासियों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है, आज देश के सभी नवनिर्मित राज्यों में सबसे पीछे है। बिहार से बंटकर झारखंड मध्यप्रदेश से बंटकर छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से बंटकर उतरांचल बना। स्वभाविक है आदिवासियों के लिए बना झारखंड पृथक राज्य के साथ ही संभावनाओं और आशंकाओं के दो धुव्र भी बन गए। संभावना थी कि जनजातीय बहुल राज्यों के आने के बाद वहां की आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन मजबूत होगी। आर्थिक उन्नति होगी और बिरसा के सपने झारखंड के घर घर में हकीकत बनकर उतरेंगे। माइंस और खनिज से भरपूर इस इलाके को जब प्रकृति ने ही इतनी नेमत दे रखी है तो वहां के लोगों की विकास की भला क्या चिंता। पर वास्तविकता कुछ और निकली। मौजूदा हालात यह है कि वहां के लोगों की उम्मीदें अब टूट कर बिखर रही है।

स्वतंत्रता के बाद से कई सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों द्वारा आदिवासी समुदायों की आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करके उन्हें विकसित करने के प्रयास किये गए। सात दशक बीत गए पर आज भी आदिवासी लोग भारतीय समाज के सबसे कुपोषित भाग बने हुए हैं। आदिवासी क्षेत्रों में उपलब्ध खनिज संसाधनों संसाधन सरकारी खजाने की आय के स्त्रोत है बाबजूद इसके यह क्षेत्र सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से पिछड़ते जा रहे है। ऐसा क्यों?

आजादी के बाद से विकास के नाम पर विभिन्न परियोजनाओं के तहत आदिवासियों का विस्थापन होता रहा। समस्या तब और गंभीर हो गई जब संसाधनों की लूट आदिवासियों का विस्थापन और उनके जीवन की बर्बादी मौजूदा विकास मॉडल के साथ आई। आदिवासियों के जंगल जमीनों ,गांवों और संसाधनों पर कब्जा कर उन्हें दर-दर भटकने को मजबूर करने के पीछे मुख्य कारण पूंजीवादियों के साथ सांठ गांठ करने वाली हमारी सरकारी व्यवस्था रही। आदिवासी केवल अपने जंगलों या गांव से ही बेदखल नहीं हो रहे हैं बल्कि मूल्यो नैतिक अवधारणाओं जीवन शैली भाषाओं एवं संस्कृतियों से भी बेदखल कर दिए जा रहे हैं। इस बात की गंभीरता को ऐसे समझा जा सकता है कि देश की आबादी में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 8.6३ है लेकिन विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोगों की कुल संख्या में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 40 प्रतिशत है। जाहिर है जनजातीय लोगों को जो भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची से आच्छादित हैं भूमि अधिग्रहण विस्थापन और अपर्याप्त मुआवजे का सबसे अधिक खामियाजा उन्हें ही भुगतना पड़ा है। आजादी के बाद देश में जो वन आधिनियम बने औपनिवेशिक परम्परा में बने पर एकमात्र वन अधिकार कानून 2006 एक ऐसा कानून बना जिसकी बदौलत पहली बार औपनिवेशिक काल से सरकार द्वारा वनआश्रित समुदायों के अधिकारों को छीनने की चली आ रही परम्परा को उलट कर उनके पारम्परिक अधिकारों को उनके मूल रूप मे प्रतिस्थापित करने का प्रावधान किया गया। विडम्बना यह है कि आदिवासी हित की बात और जल जंगल जमीन के बोल के साथ झारखंड में सत्ता हस्तांतरण का दौर चलता रहा। दुर्भाग्य रहा कि आदिवासियों ने अपने जिन प्रतिनिधियों को जिताकर संसद में बिठाया उन्ही लोगों द्वारा आदिवासी समाज को ही हराने की कोशिश जारी रही। झारखंड आज लुटाने पिटाने का अड्डा बन चुका है। गौर करने वाली बात यह भी है कि आज के वैश्वीकरण के दौर में वन भूमि पर कारपोरेटों की नजर भी गड़ी हुई है। स्थानीय निवासियों के परम्परागत अधिकारों को कानूनी मान्यता मिलने से इनके वन भूमि हस्तान्तरण में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है। इसलिये कई प्रभावशाली वर्गों द्वारा वन अधिकार कानून 2006 को निष्क्रिय या प्रभावहीन करने के योजनाबद्ध प्रयास हो रहे हैं। नौकरशाही की मिली भगत से आदिवासियों को बलपूर्वक या डरा धमकाकर अपनी जमीन से खदेड़ा जा रहा हैं त इतिहास गवाह है कि आदिवासियों की जिंदगी उनकी संस्कृति उनके सामाजिक जीवन का ताना-बाना जंगलों के साथ इतनी गहराई से जुड़ा होता है कि वह आजीविका के साथ-साथ कभी-कभी आजीविका से ऊपर उठकर भी जंगलों को बचाने और उनके संरक्षण के लिए आवाज बुलंद करते रहे है। यहां तक कि हुकूमत की जड़े हिलाकर रख दी गई। मौजूदा समय में प्रतिरोध के माध्यम बहुत कठिन व सीमित हो गए हैं। वनों की गुणवत्ता का संरक्षण केवल वनवासियों के लिये ही नहीं बल्कि पर्यावरण की व्यापक आवश्यकता है। ऐसे समय में जब समस्त विश्व जलवायु परिवर्तन को लेकर चिंतित है। जंगलों को बचाने और नए जंगल लगाने पर विचार और काम किया जा रहा है। ऐसे में जन अधिकार के प्रति गम्भीर व चिन्तित रहने वाले व्यक्तियों के लिये यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वे वनाधिकार कानून के जनविरोधी प्रावधानों के प्रति जागरुकता फैलाएँ। (लेखिका- निमिषा सिंह/ ईएमएस)

जब हिल गयी थी ब्रिटिश सरकार

(9 अगस्त पर विशेष)

9 अगस्त 1942 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। उस समय दूसरे विश्व युद्ध में उलझे इंग्लैंड को भारत में ऐसे आंदोलन की उम्मीद नहीं थी। पूरी ब्रिटिश हुकूमत इससे हिल गई थी। 1857 के बाद देश की आजादी के लिए चलाए जाने वाले सभी आंदोलनों में 1942 का ये आंदोलन सबसे विशाल और सबसे तीव्र आंदोलन साबित हुआ था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी।

अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे।

1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921, 1930, 1940-41 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाबू ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चौधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाई लाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का करो या मरो का नारा अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र साबित हो रहा था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया।

इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचण्ड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी गिरफ्तार हो गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी और जनता भी आंदोलन की ओर झुक रही थी। लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़ताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे।

9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस जनान्दोलन में 942 लोग मारे गये, 1630 घायल हुए, 18 हजार डीआईआर में नजरबंद हुए तथा 60 हजार 229 गिरफ्तार हुए। जयप्रकाश नारायण, अरूणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था।

6 अगस्त 1925 को ब्रिटिश सरकार का तख्ता पलटने के उद्देश्य से बिस्मिल के नेतृत्व में हिन्दुस्तान प्रजातंत्र संघ के दस जुझारू कार्यकर्ताओं ने काकोरी कांड किया था। जिसकी यादगार ताजा रखने के लिए पूरे देश में हर साल 9 अगस्त को काकोरी काण्ड स्मृति-दिवस मनाया जाता था। इस दिन बहुत बड़ी संख्या में नौजवान एकत्र होते थे। गांधी जी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत 9 अगस्त 1942 का दिन चुना था। दूसरे विश्व युद्ध में इंग्लैंड को बुरी तरह उलझता देख जैसे ही नेताजी सभाषचंद्र बोस ने आजाद हिन्द फौज को दिल्ली चलो का नारा दिया। गांधी जी ने मौके की नजाकत को भांप लिया और 8 अगस्त 1942 की रात में ही बम्बई से अग्रेजों को भारत छोड़ो व भारतीयों को करो या मरो का आदेश जारी किया।

अगस्त क्रांति आन्दोलन में महिलाओं के योगदान को कम तर नहीं आका जा सकता। अरूणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी ने आंदोलन में खूब साथ दिया। अच्युत पटवर्धन, रासबिहारी, मोहन सिंह सरीखे क्रांतिकारियों ने अमूल्य योगदान दिया। 8 अगस्त 1942 को जिस क्रांति का सूत्रपात हुआ उसने यह जाहिर कर दिया कि अब अंग्रेजी हुकूमत टिक नहीं सकती। दरअसल सन् 1942 की क्रांति पिछले सत्तावन वर्ष से राष्ट्रीय कांग्रेस जो आंदोलन चला रही थी उसका उफान था। इस आंदोलन के उफान ने अंग्रेजों की आंखें खोल दी थी। इस आंदोलन से सारा देश मानो हिल गया था। इस उफान की पृष्ठभूमि में लोकमान्य तिलक और उनके बाद महात्मा गांधी ने व्यापक जन-जागृति उत्पन्न की थी।

इस आंदोलन की सबसे बड़ी खासियत थी कि इसने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया था। नवयुवक कॉलेज छोड़कर जेल जा रहे थे। इस आंदोलन का प्रभाव इतना ज्यादा था कि अंग्रेज हुकूमत पूरी तरह हिल गई थी। अंग्रेजों को इस आंदोलन को दबाने के लिए ही साल भर से ज्यादा का समय लगा था। जून 1944 में जब विश्व युद्ध समाप्ति की ओर था तो महात्मा गांधी को रिहा कर दिया गया। इस तरह आंदोलन ने ब्रिटिश हुकूमत पर व्यापक प्रभाव डाला और इसके कुछ साल बाद ही 15 अगस्त 1947 को भारत आजाद हुआ।

हमारे देश को अंग्रेजो की गुलामी से तो आजाद हुये काफी साल हो गये। मगर देश आज भी भ्रष्टाचार, भेदभाव, जातिवाद की गुलामी में जकड़ा हुआ है। देश में भ्रष्टाचार, जातिवाद का जहर लोगो की रग-रग में बस चुका है। भ्रष्टाचार के चलते देश के लोगों में अलगाववाद, आंतकवाद, साम्प्रदायिकता, विघटनकारी भावना घर कर गयी है। जो देश की तरक्की की राह में एक बड़ी रूकावट बन चुकी है। जब तक देश में भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लग पायेगी तब तक देश विकाश पथ पर समुचित गति से आगे नहीं बढ़ पायेगा।

भारत छोड़ो आंदोलन की ही तरह एक बार देश की जनता को नये सिरे से एकजुट होकर भ्रष्टाचार मिटाओ देश बचावो आन्दोलन चलाना होगा तभी देश सही मायने में आजाद हो पायेगा। भारत छोड़ो आंदोलन को 80 साल पूरे हो रहे हैं। ऐसे में भारत के हर नागरिक को देश के इस बड़े आंदोलन के बारे में अवश्य जानना चाहिये। देखा जाए तो यह सही मायने में एक जन आंदोलन था। जिसमें अमीर, गरीब, ग्रामीण, शहरी का भेद भुलाकर लाखों की संख्या में आम हिंदुस्तानी शामिल हुये थे। (लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

आज का इतिहास 09 अगस्त

1615 फ्रांस में दूसरा गृहयुद्ध भड़का था.

1683 ईस्ट इंडिया कंपनी को भारत में युद्ध और शांति की घोषणा करने का अधिकार मिला.

1788 गुलाम कादिर ने दिल्ली के शासक शाह आलम द्वितीय की आंखें अपने खंजर से फोड़ दी.

1792 पेरिस में क्रांतिकारी कम्यून की स्थापना हुई थी.

1925 हिन्दूस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के क्रांतिकारियों ने लखनऊ के पास काकोरी में सरकारी खजाना लूट लिया.

1942 अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन शुरू हुआ.

1945 अमरीका ने जापान के नागासाकी शहर पर परमाणु बम गिराया.

1960 लाओस में सैनिक क्रांति हुई.

1964 राष्ट्र संघ ने युद्ध विराम का निर्देश दिया.

1970 प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी तैलोक्यनाथ चक्रवर्ती का निधन.

1971 भारत सोवियत संघ के बीच 20 वर्षीय शांति मैत्री और सहयोग संधि हुई थी.

1975 कैंटन चीन में दो नावों के टकराने से पांच सौ लोगों की मौत हो गई.

1990 सुरक्षा परिषद ने कुवैत पर इराकी कब्जे को अवैध करार दिया.

1995 ग्वाटेमाला का एक विमान एक ज्वालामुखी से टकराया, सभी 65 यात्री मारे गए.

1997 भारतीय ओडियो कैसेट के बादशाह और फिल्म निर्माता गुलशन कुमार की मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई.

2004 भविष्य निधि पर 8.5 प्रतिशत की अंतरिम ब्याज दर घोषित.

शब्द पहेली - 8093

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8092 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

अंशू शुरुआती मुकाबला हारी, रेपचेज राउंड से पहुंच सकती है आगे

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय महिला पहलवान अंशू मलिक पेरिस ओलंपिक में अपना शुरुआती मुकाबला हार गयी हैं हालांकि अभी उन्हें एक और अवसर मिलने की संभावना है। अंशू को महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में अमेरिका की हेलेन लुईस मारोलिस के हाथों 7-2 से हार का सामना करना पड़ा। हेलेन ने अंशू को 7-2 से हराया। अंशू के पास अब रेपचेज राउंड के जरिए क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने का अवसर है।

इस मुकाबले में पहले मिनट में अमेरिक की लुईस ने 2 अंक हासिल किये। 2 मिनट का समय जाते तक अमेरिका 2-0 से आगे है। अंशू पीछे चल रही थी। पहले राउंड में अंशु को एक भी अंक नहीं मिल पाया। दूसरा राउंड शुरू होने के दौरान अमेरिकी पहलवान ने अंशू पर शिकंजा कस दिया।

हेलेना ने अंशू पर लगातर आक्रमक करने 2 अंक हासिल कि। इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने 2 अंक और हासिल किये। वहीं जब एक मिनट शेष था तब स्कोर 6-0 पर था पर अंत में अंशु ने 2 अंक हासिल कर लिए। इसके बाद हेलेना ने भी अंशू को बाहर कर एक अंक हासिल किया। मैच समाप्त होने के समय अमेरिका की हेलेन 7-2 से आगे रही।

ज्योति 100 मीटर बाधा दौड़ में चौथे स्थान पर रहीं

पेरिस (ईएमएस)। भारत की ज्योति याराजी 100 मीटर बाधा दौड़ में चौथे स्थान पर रहने के साथ ही बाहर हो गयी हैं। ज्योति यहां रेपेचेज हीट एक में चौथे स्थान पर रहीं। इस कारण वह सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रहीं। ओलंपिक के लिए हीट एक में ज्योति ने 13.17 सेकेंड का समय निकाला और वह सात धावकों में चौथे स्थान पर रहीं। इसके बाद उन्हें रेपेचेज दौर में हिस्सा लेने वाली 21 धावकों में 16वां स्थान मिला। वहीं हीट में दक्षिण अफ्रीका की मारियोन फोरी ने 12.79 सेकेंड और नीदरलैंड की मायकी जिन-ए-लिम ने 12.87 सेकेंड समय निकलकर पहले दो स्थान हासिल किये जिससे वे सेमीफाइनल में पहुंच गयीं।

रेपेचेज की प्रत्येक तीन हीट से शीर्ष दो धावकों ने सेमीफाइनल में जगह बनायी। ज्योति इन खेलों की 100 मीटर बाधा दौड़ में भाग लेने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। ज्योति का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 12.78 सेकेंड का है और अगर वह यही प्रदर्शन करतीं तो सेमीफाइनल में पहुंच जातीं। इससे पहले बुधवार को भी ज्योति अपनी हीट में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सातवें स्थान पर रहीं थीं। तब उन्होंने चौथी हीट में 13 से 16 सेकेंड का समय निकाला था।

अमन पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस (ईएमएस)। भारतीय पहलवान अमन सहरावत पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। अमन ने पुरुषों के 57 किलो वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल्बानिया के जेलिमखान एबकारोव को हर दिया। अमन ने क्वार्टर फाइनल में शुरु से ही अच्छा प्रदर्शन करते हुए जेलिमखान को रक्षात्मक होने पर मजबूर कर दिया। अमन को एबकारोव के आक्रामक न होने से भी लाभ मिला और उन्हें एक अंक मिल गया। अमन ने इसके बाद 3-0 की बढ़त हासिल कर ली। वह पहले राउंड के बाद 3-0 से आगे रहे। इसक बाद दूसरे दौर में भी अमन ने आक्रामक रुख अपनाते हुए दूसरे ही मिनट में जबरदस्त दांव खेलकर अल्बानियाई पहलवान को तीन बार घुमा दिया। इसके बाद अमन ने अल्बानिया के पहलवान को एक बार उल्टा भी घुमाया। इस तरह उन्हें 8 अंक मिल गए। इससे भारतीय पहलवान ी बढ़त 11-0 पहुंच गई. इसके बाद उन्हें तकरीनी श्रेष्ठता के आधार पर विजयी विजेता घोषित कर दिया गया।

इससे पहले अमन ने प्री क्वार्टर फाइनल में मैसेडोनिया के व्लादिमीर इगोरोव को पराजित किया था। इस मुकाबले में अमन ने तेजी से अंक बनाए और 10-0 की बढ़त ले ली। 10-0 की लीड बनते ही रेफरी ने मुकाबला रोककर अमन को विजेता घोषित कर दिया। इस तरह अमन और इगोरोव का मुकाबला तय समय से पहले ही खत्म हो गया। इगोरोव शुरू से ही रक्षात्मक नजर आए। रेफरी ने भारतीय रेसलर को दो अंक पैसिटीविटी के दिए क्योंकि इगोरोव बेहद डिफेंसिव थे और आक्रामक नहीं कर रहे थे। अमन ने इसका पूरा लाभ उठाया।

विनेश के संन्यास पर साक्षी बोली, हर वो बेटी हारी है, जिसके लिए तुम लड़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक ने विनेश फोगाट के सन्यास पर कहा है कि विनेश तुम नहीं हारी हो, हर वो बेटी हारी है, जिसके लिए तुम लड़ी और जीती। ये पूरे देश की हार है। देश तुम्हारे साथ है। खिलाड़ी के तौर पर उनके संघर्ष और जज्बे को सलाम है। साक्षी ने विनेश को अयोग्य घोषित किये जाने पर कहा था कि उसे साजिश कर बाहर किया गया है।

विनेश को 100 ग्राम वजन की वजह से पेरिस ओलंपिक फाइनल से पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश का वजन 50 किलोग्राम से सिर्फ 100 ग्राम ज्यादा पाया गया था। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सेमीफाइनल के मैच खेलने के बाद उन्हें जो खाना खिलाया गया, जिससे उनका वजन बढ़कर 52.700 किलोग्राम तक बढ़ गया था। इसके बाद उनकी मेडिकल टीम ने रातभर विनेश का वजन घटाने का प्रयास किया पर सफल नहीं रहे।

गगन नारंग, दिनशॉ पारदीवाला, उनके पति, फिजियो, मेडिकल स्टाफ, आईओए अधिकारी विनेश का वजन कम करने के लिए रातभर लगे रहे। इस दौरान डॉ पारदीवाला ने तो यहां तक कह दिया कि हम उनकी जान को खतरे में नहीं डाल सकते हैं। विनेश 50 किलोग्राम वजन वर्ग में उतरीं जबकि पहले वह 53 किलो वर्ग में उतरती थीं।

पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही मीराबाई चानू

पेरिस (ईएमएस)। भारत की अनुभवी महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू का पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया है। चानू पेरिस ओलिम्पिक के 49 किलोग्राम भाग वर्ग में चौथे स्थान पर रहने के साथ ही मुकाबले से बाहर हो गयीं। चानू ने स्नैच में 88 जबकि क्लीन एंड जर्क में 111 किलोग्राम का वजन उठाने के साथ ही कुल 199 किलो वजन उठाया पर से पदक के लिए पर्याप्त नहीं था। वहीं चीन की होउ झिहुई ने कुल 206 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण अपने नाम किया जबकि रोमानिया की कैम्बी मिहेला वेलेंटीना 205 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे जबकि थाईलैंड की खंबाओ सुरोद्चना 200 किग्रा वजन उठाकर तीसरे स्थान पर रहीं।

चानू ने स्नैच में पहले पहला प्रयास में 85 किलोग्राम जबकि दूसरे में 88 किलोग्राम व तीसरे में 88 किलोग्राम वजन उठाया।

वहीं क्लीन एंड जर्क में पहले ही प्रयास में पहला प्रयास : 111 किलोग्राम वजन उठाकर वह असफल रहीं। जबकि दूसरे प्रयास मे 111 किलोग्राम वजन उठाकर सफल रहीं। तीसरे प्रयास में उन्होंने 114 किलोग्राम वजन उठाया और असफल रहीं। इस प्रकार उन्होंने कुल 199 किलोग्राम वजन उठाया। चानू ने पदक नहीं जीत पाने पर निराश जताते हुए प्रशंसकों से माफी मांगी है।

विनेश को ओलंपिक रजत पदक वाले सभी लाभ देगी हरियाणा सरकार : नायब

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि विनेश फोगाट एक विजेता हैं और उनका स्वदेश लौटने पर पदक विजेता की तरह ही स्वागत होगा। साथ ही कहा कि विनेश को वह सभी लाभ मिलेंगे जो किसी ओलंपिक रजत पदक विजेता को मिलते हैं। राज्य सरकार के इस फैसले पर विनेश के परिवार ने खुशी जताई है और कहा है कि इससे अन्य खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा मिलेगी। विनेश को फाइनल से ठीक पहले 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के कारण ओलंपिक फाइनल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

सैनी ने सोशल मीडिया में अपने एक पोस्ट में लिखा, हरियाणा की हमारी बहादुर बेटी विनेश ने जबरदस्त प्रदर्शन करके ओलंपिक में फाइनल में प्रवेश किया था। किन्हीं कारणों से वो भले ही ओलंपिक का फाइनल नहीं खेल पाई हो पर हम सबके लिए वो एक चैंपियन हैं। उन्होंने साथ ही लिखा, हमारी सरकार ने ये फैसला किया है कि विनेश का स्वागत और अभिनंदन एक पदक विजेता की तरह ही किया जाएगा। हरियाणा सरकार ओलंपिक रजत पदक विजेता को जो सम्मान, ईनाम और सुविधाएं देती है वे सभी विनेश को मिलेंगी। साथ ही कहा कि हमें आप पर गर्व है विनेश। इसको लेकर विनेश के ताऊ और पहलवान महावीर फोगट ने कहा, यह मुख्यमंत्री की अच्छी पहल है। उन्होंने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि विनेश को रजत पदक मिला है। यह एक अच्छा कदम है और मैं इसका समर्थन करता हूं। मैं हरियाणा सरकार को धन्यवाद देता हूं, अगर कभी अन्य एथलीटों के साथ ऐसा होता है तो इससे उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा। विनेश ने फाइनल में प्रवेश के लिए क्यूबा की यूसनेलिस गुजमान को हराया। यहां से फोगाट का रजत पदक हासिल करने का रास्ता साफ हो गया था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद, सेंसेक्स 582, निफ्टी 180 अंक नीचे आया

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट दर्ज की गयी है। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) द्वारा लगातार नौवीं बार रीपो रेट को 6.5 फीसदी पर बनाये रखने के फैसले से भी बाजार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इससे 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी नीचे आया। सेंसेक्स 581.79 अंक करीब 0.73 फीसदी फिसलकर 78,886.22 पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर एनएसई निफ्टी 180.50 अंक तकरीबन 0.74 फीसदी नीचे आकर 24,117.00 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 7 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईटीसी और इंडसइंड बैंक सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, सन फार्मा और एक्सिस बैंक के शेयर भी ऊपर आये।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 23 शेयर गिरावट परबंद हुए। एशियन पेंट्स, इंफोसिस,पावर ग्रिड,एलएंडटी और अल्ट्राटेक सीमेंट सेंसेक्स के शीर्ष-5 सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इसके अलावा एचसीएल टेक, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, नेस्ले इंडिया, मारुति, रिलायंस, टाइटन, बजाज फाइनैंस, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, एसबीआई और एमएंडएम के शेयर गिरे हैं। आरबीआई के फैसले के बाद आज सुबह बाजार की शुरुआत नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 181 अंक गिरकर 79,286 पर आ गया। वहीं निफ्टी 56 अंक गिरकर 24,240 पर पहुंच गया।

एशियाई बाजारों में भी ज्यादातर गिरावट देखने को मिली, चीन के मिला-जुला ट्रेड डेटा का प्रभाव साफ दिखा, जहां निर्यात उम्मीद से कम रहे जबकि आयात में वृद्धि हुई। जापान का निक्केई 1.74 फीसदी कोस्पी 1.34 फीसदी और एएसएक्स200 0.37 फीसदी की गिरावट में रहा। अमेरिका में भी बाजारों में गिरावट रही। बुधवार को नैस्डैक 1.05 प्रतिशत, एसएंडपी 500 0.77 फीसदी और डाउ जोंस 0.60 फीसदी गिरा।

अमेरिका में मंदी की आहट ....क्रिप्टोकरेंसी का कर देगी बेड़ागर्ग

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में मंदी की आंशका आ असर दुनियाभर के शेयर बाजार से लेकर क्रिप्टोकरेंसी तक में दिख रहा है। लेकिन शेयर बाजार संभल रहे हैं, लेकिन क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में अभी भी गिरावट जारी है। पिछले कुछ दिनों में बिटकॉइन निवेशकों ने 220 बिलियन डॉलर का भारी-भरकम नुकसान उठाया।

कॉइन मार्केट कैप के अनुसार, सबसे प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन के भाव में आज 0.11 फीसदी की गिरावट दिखी गई है, और यह अभी 56,812 डॉलर पर आया हुआ है। सोमवार को बिटकॉइन की कीमतें 11 फीसदी टूट गई थीं। अभी सबसे प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन बीते 7 दिनों के हिसाब से लगभग 15 फीसदी के नुकसान में ट्रेड कर रही है, जबकि उसके भाव मार्च 2024 में हासिल किए गए हाई लेवल की तुलना में 20 फीसदी नीचे आए हुए हैं।

अभी बिटकाइन का मार्केट कैप 1.12 ट्रिलियन डॉलर के पास है। मंदी की आशंका की आहट भर से बिटकॉइन के मार्केट कैप में करीब 220 बिलियन डॉलर की गिरावट आई है, यानी कह सकते हैं कि बिटकॉइन के निवेशकों ने पिछले कुछ दिनों में 220 बिलियन डॉलर का भारी-भरकम नुकसान उठाया है। इस आंकड़े का अंदाजा लगा सकते हैं कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की नेटवर्थ अभी 223 बिलियन डॉलर है।

सबसे ज्यादा नुकसान में इथेरियम है। इसके भाव में 20 फीसदी की गिरावट आई थी। आज यह क्रिप्टोकरेंसी 0.29 फीसदी गिरकर 2,500 डॉलर से नीचे आ चुकी है। बीते 7 दिन के हिसाब से इसके भाव करीब 25 फीसदी टूट हुए हैं। इथेरियम अभी 300 बिलियन डॉलर से कुछ ज्यादा एमकैप के साथ दूसरी सबसे प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी है। अन्य क्रिप्टोकरेंसी में बीएनबी 0.61 फीसदी डाउन है, जबकि सोलाना में 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। टोनकॉइन और कार्डानो के भाव क्रमशः 15 फीसदी और 17 फीसदी गिरे हुए हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले इस वर्ष 19 जुलाई को मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 670.85 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। इसके बाद 26 जुलाई को यह 667.38 अरब डॉलर रहा था। दास ने कहा कि कुल मिलाकर देश का बाह्य क्षेत्र जुझारू बना हुआ है, जैसा कि प्रमुख संकेतकों में सुधार से पता चलता है। मौद्रिक नीति की समीक्षा के बाद दास ने कहा ?कि हमें अपनी बाह्य वित्तपोषण आवश्यकताओं को आराम से पूरा करने का विश्वास है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जून, 2024 से घरेलू बाजार में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। जून से छह अगस्त के दौरान 9.7 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह हुआ है,

मैच फिक्सिंग मामले में अफगानिस्तान के क्रिकेटर पर प्रतिबंध

इस्लामाबाद (ईएमएस)। अफगानिस्तान के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर इहसानुल्लाह जन्नत अब अगले पांच साल तक खेल नहीं पायेंगे। जन्नत को मैच फिक्सिंग का आरोपी पाया गया है। ऐसे में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने उन्हें खेल के सभी प्रारुपों से बाहर कर दिया है। एसीबी ने कहा कि बल्लेबाज जन्नत ने इस साल काबुल प्रीमियर लीग के दूसरे सत्र के दौरान आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधक आचार संहिता को तोड़ा है। एसीबी ने कहा, 'जन्नत को आईसीसी भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के अनुच्छेद 2.1.1 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है और इस कारण वह क्रिकेट से जुड़ी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं हो पाएगा। साथ ही कहा कि इस क्रिकेटर ने अपनी अपने लगे आरोपो को स्वीकार कर लिया है। इस कारण इस मामले में अब आगे सुनवाई की जरुरत नहीं है। जन्नत अफगानिस्तान के पूर्व क्रिकेट कप्तान नवरोज मंगल के भाई है।

नष्ट हो जाएंगे 2 करोड़ के सैकड़ों फ्लैट!

- गुरुग्राम ?स्थित चिंटल सोसाइटी का एक और टावर खाली करने का आदेश

नई दिल्ली (ईएमएस)। गुरुग्राम के सेक्टर में स्थित चिंटल पैराडिसो सोसाइटी के एक और टावर को खाली करने का आदेश दिया गया है। दरअसल स्ट्रक्चरल ऑडिट में जे टावर को असुरक्षित घोषित किया गया है इसलिए इस टावर में रहने वाले लोगों को फ्लैट खाली करने को कहा गया है। इस मामले में ?जिला कलेक्टर और जिला आपदा प्रबंधन ने आदेश जारी करते हुए 15 दिनों के अंदर लोगों से फ्लैट खाली करने को कहा है। इससे पहले भी गुरुग्राम जिला प्रशासन ने सेक्टर 109 में चिंटेल्स पैराडिसो कॉम्प्लेक्स के डेवलपर को असुरक्षित समझे जाने वाले 5 आवासीय टावरों को ध्वस्त करने की अनुमति दी थी। दरअसल 10 फरवरी, 2022 को सोसायटी में टॉवर डी की छठवीं मंजिल के फ्लैट में रेनोवेशन के दौरान बेडरूम की छत गिर गई। इस घटना में दो निवासियों की मौत हो गई। इसके बाद हरियाणा के टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने पूरे हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के स्ट्रक्चरल ऑडिट का आदेश दिया। इस बारे में आईआईटी-दिल्ली द्वारा तैयार की गई एक रिपोर्ट के आधार पर गुरुग्राम प्रशासन ने इस परिसर के 9 में से पांच टावर को असुरक्षित माना। इनमें टावर डी, ई, एफ, जी और एच टावर रहने के लिए असुरक्षित बताए गए और इन्हें गिराने को कहा गया लेकिन, अब एक और टावर जे टावर को भी अनसेफ घोषित कर दिया गया है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डिपार्टमेंट ने साल 2007 और 2008 में चिंटल लिमिटेड को लाइसेंस दिया था। गुरुग्राम के सेक्टर 109 में स्थित इस सोसायटी में 9 रिहायशी टावर और 532 फ्लैट्स हैं। एक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस सोसाइटी में 3 बीएचके अपार्टमेंट की कीमत 1.75 करोड़ तो 4 बीएचके अपार्टमेंट का प्राइस सवा 2 करोड़ रुपये है। इस साल 7 मार्च को बिल्डर ने जिला प्रशासन को एक डेमोलिशन प्लान सौंपा था और पांच टावरों को गिराने की अनुमति मांगी थी। इन सभी रिहायशी टावर के फ्लैट्स में क्रैक हैं। यहां रहने वाले ने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द स्ट्रक्चरल ऑडिट पूरा कराने की मांग की थी, साथ ही तब तक किसी दूसरी सोसायटी में शिफ्ट करने का इंतजाम करने को कहा था।

देश के तीन दिग्गज कारोबारी परिवारों की कुल संपत्ति ....सिंगापुर की कुल जीडीपी के बराबर

सूची में अंबानी, बजाज और बिड़ला परिवार

नई दिल्ली (ईएमएस)। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत के सबसे मूल्यवान परिवारिक कारोबारों की कुल संपत्ति 6,009,100 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट के मुताबिक, अंबानी परिवार लिस्ट में टॉप पर है, इसके बाद बजाज और बिड़ला परिवार का स्थान है। इन तीनों प्रमुख परिवारों की कुल संपत्ति 460 बिलियन डॉलर है, जो सिंगापुर की कुल जीडीपी के बराबर है।

रिपोर्ट के अनुसार अंबानी परिवार की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की कीमत 2,575,100 करोड़ रुपये है, यह अंकूत संपत्ति भारत का सबसे अमीर परिवारिक कारोबार बनाती है। ऊर्जा और टेलीकॉम क्षेत्र में उनके दबदबे ने उनकी जबरदस्त सफलता में बड़ी भूमिका निभाई है। बजाज परिवार, जो ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स के कारोबार के लिए जाना जाता है, 712,700 करोड़ रुपये की कीमत के साथ दूसरे स्थान पर है। कुमार मंगलम बिड़ला के नेतृत्व वाला आदित्य बिड़ला समूह, जो धातु और खनन क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी है, 538,500 करोड़ रुपये की कीमत के साथ तीसरे स्थान पर है। सूची में अन्य प्रमुख नामों में जिंदल परिवार (जेएसडब्ल्यू स्टील), नादर परिवार (एचसीएल टेक्नोलॉजी), महिंद्रा परिवार (महिंद्रा एंड महिंद्रा), देही, चोक्सी और वकील परिवार (एशियन पेंट्स), प्रेमजी परिवार (विप्रो), राजीव सिंह परिवार (डीएलएफ) और मुरुगप्पा परिवार (टयूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया) शामिल हैं। ये वैल्यूएशन 20 मार्च 2024 तक के आंकड़ों पर आधारित हैं। बजाज परिवार ने 712,700 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ 2024 हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस की लिस्ट में दूसरा स्थान पाया है। नीरज बजाज के नेतृत्व में यह कारोबार ऑटोमोबाइल और ऑटो पार्ट्स का बिजनेस कर रहा है। 1926 में बना यह परिवारिक कारोबार अब तीसरी पीढ़ी के हाथों में है और इसका मुख्यालय पुणे में है।

चौथे स्थान पर जिंदल परिवार है, जिसका नेतृत्व साजन जिंदल कर रहे हैं, और इसकी कीमत 471,200 करोड़ रुपये है। उनका कारोबार मुख्य रूप से धातु और खनन उद्योग में है, जिसका नेतृत्व दूसरी पीढ़ी कर रही है। जिंदल परिवार ने भारत में बहुत बड़े पैमाने पर धातु और खनन का काम किया है। वहीं नादर परिवार सूची में पांचवें स्थान पर है, जिनकी कुल संपत्ति 430,600 करोड़ रुपये है। रोशनी नादर मल्होत्रा के नेतृत्व में कंपनी सॉफ्टवेयर और सेवा उद्योग में काम करती है। 1991 में स्थापित, यह कंपनी अब अपनी दूसरी पीढ़ी के नेतृत्व में है और नोएडा में मुख्यालय है।

महिंद्रा परिवार 345,200 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ छठे स्थान पर है। तीसरी पीढ़ी के उद्यमी आनंद महिंद्रा के नेतृत्व में महिंद्रा ग्रुप तेजी से बढ़ा है। ऑटोमोबाइल, एयरोस्पेस, कृषि बिजनेस, वित्त और आईटी जैसे कई क्षेत्रों में काम करने वाली इस कंपनी ने बहुत अच्छी प्रगति की है। सातवें स्थान पर दानी, चोक्सी और वकील परिवार है, जिनकी संपत्ति 271,200 करोड़ रुपये है। दिलचस्प बात यह है कि इस कंपनी के प्रमुख आर शेषशायी इस परिवार से नहीं हैं, जो टॉप 10 में एक अलग उदाहरण है। उनका ध्यान रसायन और पेट्रोकेमिकल उद्योग पर है। दानी, चोक्सी और वकील परिवार ने भारत के रसायन क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आठवें स्थान पर प्रेमजी परिवार है, जिनकी संपत्ति 257,900 करोड़ रुपये है। रिशद प्रेमजी के नेतृत्व में यह कंपनी सॉफ्टवेयर और सेवाओं के क्षेत्र में काम करती है। 1945 में शुरू हुई यह कंपनी अब तीसरी पीढ़ी के हाथ में है और इसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। प्रेमजी परिवार ने भारत के तकनीकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आज भी बाजार में मजबूत स्थिति रखती है। नौवें स्थान पर राजीव सिंह परिवार है जिनकी कुल संपत्ति 204,500 करोड़ रुपये है। राजीव सिंह तीसरी पीढ़ी के लीडर हैं और रियल एस्टेट क्षेत्र में बिजनेस का नेतृत्व करते हैं। 1946 में स्थापित, रियल एस्टेट में परिवार की विरासत पीढ़ियों से चली आ रही है और इसने भारत के शहरी परिदृश्य को आकार दिया है। 10वें स्थान पर मुरुगप्पा परिवार है जिनकी कुल संपत्ति 202,200 करोड़ रुपये है। एम.ए.एम. अरुणाचलम के नेतृत्व में यह बिजनेस ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग में काम करता है। 1900 में स्थापित और अब तीसरी पीढ़ी द्वारा संचालित, कंपनी का हेड ऑफिस चेन्नई में है। इनोवेशन और क्वालिटी के प्रति उनकी कमिटमेंट ने बाजार में उनकी स्थिति को मजबूत किया है।

बंगाल में 34 साल तक वाम शासन के लाल का हुआ निधन

कोलकाता (ईएमएस)। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के वरिष्ठ नेता एवं पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य का गुरुवार को उनके आवास पर 80 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी मीरा भट्टाचार्य और बेटा सुचेतन हैं।

सूत्रों ने बताया कि श्री भट्टाचार्य ने गुरुवार सुबह करीब 08.20 बजे दक्षिणी कोलकाता में पाम एवेन्यू स्थित अपने आवास में अंतिम सांस ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वरिष्ठ माकपा नेता के निधन पर शोक जताया है।

सुश्रीबनर्जी ने कहा,पूर्व मुख्यमंत्री भट्टाचार्यकेआकस्मिकनिधन से स्तब्ध और दुखी हूं। मैं उन्हें पिछले कई दशकों से जानती हूं।जब वह बीमार थे और पिछलेकुछसालों में घर तक ही सीमित थे, तो मैं उनसे कई बार मिलने गई थी। दुख की इस घड़ी में मीरा दी और सुचेतन के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुवेंदु अधिकारी ने कहा, मुझे यह जानकर बहुत दुख हुआ किपश्चिमबंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य दा देहावसान हो गया। उनके परिवार के सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि उनकी आत्मा को शांति मिले। ओम शांति।

एक मार्च-1944 को उत्तरी कोलकाता में एक बंगाली ब्राह्मण परिवारमेंजन्मेश्रीभट्टाचार्य ने कलकत्ता (अब कोलकाता) के प्रेसीडेंसी कॉलेज मेंबंगाली साहित्य का अध्ययन किया तथाबंगाली (ऑनर्स) में बी.ए. की डिग्री हासिल की और एक शिक्षक केरूप मेंदमदम में आदर्श शंख विद्या मंदिर स्कूल में शामिल हो गए। बंगाल में वाम मोर्चेके34 साल तक सत्तारुढ़ रहने के दौरान श्री भट्टाचार्य दूसरे और आखिरी माकपा मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने 2000 से 2011 तक राज्य के सातवें मुख्यमंत्री पद की बागडोर संभाली।

सोने के भाव फिसले, चांदी हुई महंगी, सोना 68,850 रुपए, चांदी लगभग 79,100 रुपए

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गुरुवार को गिरावट के साथ हुई, जबकि चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। गुरुवार को सोने के वायदा भाव 68,850 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 79,100 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। हालांकि बाद में चांदी के भाव में सुधार देखने को मिला। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 69 रुपये की गिरावट के साथ 68,896 रुपये के भाव पर खुला। इसके बाद यह 100 रुपये की गिरावट के साथ 68,865 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 103 रुपये की तेजी के साथ 79,003 रुपये पर खुला। इसके बाद यह 174 रुपये की तेजी के साथ 79,074 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में चांदी के भाव सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 2,422.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,432.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 3.20 डॉलर की गिरावट के साथ 2,429.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 26.69 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 26.94 डॉलर था।

प्रोफेसर यूनुस ने क्यों कहा.......हसीना का समर्थन कर भारत ने ठीक नहीं किया

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार बनने का रास्ता साफ हो चुका है। गुरुवार शाम को प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में नई सरकार शपथ लेगी। शपथ से पहले एक लेख में युनूस ने भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों का जिक्र कर कहा है कि भारत के साथ घनिष्ठ मित्रता को फिर से शुरू करने के कई अवसर जल्द ही आएंगे। लेकिन उन्होंने कहा कि भारत ने शेख हसीना का समर्थन किया, जो बांग्लादेश के लोगों की भावनाओं के अनुरूप नहीं है। इससे कहीं ना कहीं दोनों देशों के रिश्ते में दरार आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक युनूस ने कहा, हालांकि भारत जैसे कुछ देशों ने शेख हसीना का समर्थन किया, जिसके नतीजे में उन्हें बांग्लादेशी लोगों की नाराजगी हासिल हुई है। इससे रिश्तों में कुछ दरारें बनी हैं, जिन्हें ठीक करके द्विपक्षीय सबंधों में सुधार लाने और भारत से करीबी दोस्ती को फिर से शुरू करने के कई अवसर आने वाले समय में हमारे पास आने वाले है। यूनूस ने कहा कि बांग्लादेश में नई सरकार के आने से देश की ताकत दुनिया में बढ़ेगी। यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार का अगला कदम सभी राजनीतिक कैदियों को रिहा करना और यह सुनिश्चित करना होगा कि कुछ महीनों में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हों। उन्होंने कहा कि मैं इस प्रक्रिया का समर्थन करने में मदद करने को तैयार हूं और मुझे उम्मीद है कि अन्य लोग भी मेरे साथ जुड़ सकते है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने जा रहे नोबेल पुरस्कार विजेता यूनुस एक अर्थशास्त्री और बैंकर हैं। उन्हें माइक्रोक्रेडिट बाजार विकसित करने के उनके काम के लिए 2006 के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यूनुस को ग्रामीण बैंक के माध्यम से हजारों लोगों को गरीबी से बाहर लाने के लिए सराहना मिली थी, जिसकी स्थापना उन्होंने 1983 में की थी।

शेख हसीना के ढाका से निकलने के तीन दिन बाद तक हिंसा का दौर जारी

ढाका (ईएमएस)। बांग्लादेश में भारी हिंसा के बीच तख्तापलट का असर अब भी ?दिखाई दे रहा है। पूर्व सीएम शेख हसीना के ढाका से निकलकर भारत आने के बाद तीन दिन बाद तक हिंसा का दौर जारी है। अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं तो वहीं शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के नेताओं को टारगेट किया जा रहा है। 20 से ज्यादा अवामी लीग के नेताओं के शव अब तक मिल चुके हैं। इसके अलावा एक अवामी नेता के होटल को ही आग के हवाले कर दिया गया, जिसमें 24 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा शेख हसीना सरकार में मंत्री और सांसद रहे नेताओं को लगातार टारगेट किया जा रहा है। शेख हसीना की छोटी बहन रिहाना शेख के घर में भी लूटपाट की गई है। इसके कई वीडियो भी उपद्रवियों ने सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। ढाका के गुलशन एरिया में बने रिहाना शेख के घर में हमले किए गए। आसपास के 4 परिवारों ने यह जानकारी दी कि रिहाना के घर में लूट हुई है और वहां तोड़फोड़ भी की गई है। इसके अलावा मुजीबर रहमान से जुड़े संग्रहायल से भी कई शव बरामद किए गए हैं। यही वजह जगह भी थी, जहां शेख मुजीबर रहमान को परिवार के चार अन्य लोगों के साथ मार डाला गया था। इसके बाद शेख हसीना सरकार ने बंगबंधु की याद में इसे संग्रहालय में तब्दील कर दिया था। अवामी लीग के देश भर में स्थित दफ्तरों को भी आग के हवाले किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक बांग्लादेश में 469 लोगों की हिंसा में मौत हो चुकी है। ढाका के ही गुलशन इलाके में अवामी लीग के दफ्तर को आग के हवाले कर दिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भीड़ दफ्तर से कुर्सियां, सोफा और अन्य तमाम चीजें लूटकर ले गए। बता दें कि शेख हसीना के घर पर भी उपद्रवी भीड़ ने कब्जा जमा लिया था और वहां से तमाम चीजें चुरा ले गए। बेहद शर्मनाक यह था कि कुछ उपद्रवी तो उनके कपड़े चुरा ले गए। इसके अलावा सोशल मीडिया पर अंडरगारमेंट्स को लहराते हुए वीडियो भी बनवाए।

इस साल जून-जुलाई में गर्मी ने अपने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए

डिट्रायट (ईएमएस)। जून-जुलाई में इस साल भयंकर गर्मी ने अपने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए, खराब मौसम के लिए अल-नीनो को जिम्मेदार माना जा रहा है। लेकिन अब जुलाई में वैश्विक गर्मी के रिकॉर्ड का 13 महीने का सिलसिला खत्म हो गया, पर विशेषज्ञों ने राहत के प्रति चेतावनी दी है। वैज्ञानिकों ने इसको लेकर कहा कि रिकॉर्ड-ब्रेकिंग स्ट्रीक के अंत से जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरे के बारे में कुछ भी नहीं बदलता है। कॉपरनिकस की एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा ?कि हमारी जलवायु लगातार गर्म हो रही है। मानव-जनित जलवायु परिवर्तन चरम मौसम की घटनाओं को जन्म देता है जो दुनिया भर में कहर बरपा रही हैं, हाल के हफ्तों में इसके कई उदाहरण हैं। दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में, मूसलाधार बारिश, तूफानी हवाओं, बाढ़ और अन्य कारणों से हजारों लोग विस्थापित हुए। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर एक घातक भूस्खलन हुआ। जापानी अधिकारियों ने कहा कि टोक्यो में रिकॉर्ड गर्मी से 120 से अधिक लोगों की मौत हो गई। जुलाई 2024 में दुनिया का औसत तापमान 62.4 डिग्री फारेनहाइट (16.91 डिग्री सेल्सियस) था, जो इस महीने के 30 साल के औसत से 1.2 डिग्री (0.68 सेल्सियस) अधिक है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में तापमान थोड़ा कम था। जुलाई 2023 के बाद यह एजेंसी के रिकॉर्ड में दर्ज किसी भी महीने की तुलना में दूसरा सबसे गर्म जुलाई है। पृथ्वी के रिकॉर्ड में दो सबसे गर्म दिन भी थे, 22 जुलाई और 23 जुलाई को, प्रत्येक का औसत लगभग 62.9 डिग्री फारेनहाइट है। जुलाई के दौरान, कोपरनिकस के माप के अनुसार दुनिया पिछले कुछ सालों की तुलना में 1.48 डिग्री सेल्सियस (2.7 डिग्री फ़ारेनहाइट) अधिक गर्म थी। यह उस वार्मिंग सीमा के करीब है जिस पर दुनिया के लगभग सभी देश 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में सहमत हुए थे। दक्षिणी और पूर्वी यूरोप में इतालवी स्वास्थ्य मंत्रालय ने दक्षिणी यूरोप और बाल्कन के कई शहरों के लिए सबसे गंभीर गर्मी की चेतावनी जारी की। अत्यधिक तापमान के कारण ग्रीस को अपने सबसे बड़े सांस्कृतिक आकर्षण, एक्रोपोलिस को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। फ्रांस का अधिकांश भाग गर्मी की चेतावनी के अधीन था क्योंकि देश ने जुलाई के अंत में ओलंपिक की मेजबानी की। अधिकांश अफ्रीका, मध्य पूर्व और एशिया और पूर्वी अंटार्कटिका भी प्रभावित हुए। वैज्ञानिकों का कहना है कि अंटार्कटिका में तापमान औसत से काफी ऊपर था।

मुजीब का स्टैच्यू तोड़ा......क्या अब टका से भी हटेगी तस्वीर

कोलकाता (ईएमएस)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा को बुलडोजर से तोड़ गया। हंगामा कर रहे प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के राष्ट्रपिता मुजीब के स्टैच्यू पर न सिर्फ हथौड़ा चलाया, बल्कि पेशाब करने जैसी घटिया हरकतें भी कीं। उनके पोस्टर पर जूते मारे गए और कालिख पोती गई। अपने ही देश में शेख मुजीबुर रहमान के प्रति ऐसी नफरत से दुनिया चौंक गई। कई सवाल खड़े हुए। बांग्लादेश की करेंसी टका पर भी बंगबंधु की तस्वीर है, तब क्या वहां की नई सरकार नोट भी बदल देगी? इसकी चिंता करने वालों में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर बैठे मनी एक्सचेंज करने वाले लोग भी शामिल हैं। अनुमान के मुताबिक भारत के मनी एक्सचेंज कारोबारियों के पास करोड़ों टका है, जिसे वह कमीशन के साथ अदला-बदली करते हैं। फिलहाल दोनों देशों के बीच बॉर्डर पर कारोबार ठप है और रुपये से टका बदलने वालों की तादाद भी कम हुई है।

बांग्लादेश-इंडिया बॉर्डर पर मनी एक्सचेंज करने वाले इस राजनीतिक उठापटक से परेशान हैं। मनी एक्सचेंजर्स टका को भारतीय करेंसी और रुपये को बांग्लादेश की करेंसी टका में बदलते हैं। 100 रुपये के बदले 70 टका के हिसाब से इनका कारोबार चलता है। पेट्रापोल बॉर्डर पर कारोबार करने वाले कारोबारी बताते हैं कि जिस तरह टेलीविजन पर शेख मुजीब की प्रतिमा को गिराते हुए देख रहे हैं, उससे लगता है कि आने वाली सरकार टका को बंद कर देगी। भारतीय रुपये में गांधी की तरह बांग्लादेशी टका पर भी शेख मुजीब की तस्वीर लगी है।

एक कारोबारी गौरंगा घोष ने बताया कि सोमवार से उनके दुकान पर कोई करेंसी बदलने नहीं आया। पहले रोजाना 70-80 लोग आते थे, पिछले चार दिनों में एक ग्राहक आया है। नोट नहीं बदले जाने से जहां कमाई रुक गई है, वहीं नुकसान का डर सता रहा है। अब कारोबारी जल्द से जल्द बांग्लादेश के टका के स्टॉक को खत्म करना चाहते हैं। बॉर्डर पर खड़े ट्रकों की आवाजाही शुरु होगी, तब करेंसी एक्सचेंज करने वालों की चिंता दूर होगी। बांग्लादेश जाने वाले भारतीय कारोबारी खरीदारी के लिए टका लेते हैं। ट्रक वाले भी छोटी जरूरतों के लिए बांग्लादेशी करेंसी लेते हैं।

योगी का सख्त आदेश...... टॉप 10 अपराधियों की सूची थानों में लगाए

लखनऊ (ईएमएस)। दो दिवसयीय अयोध्या दौरे के बाद एक दिवसीय दौरे पर अंबेडकर नगर पहुंचे सीएम योगी ने जनपद में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक की। सीएम योगी ने में कहा कि जनपद के टॉप 10 अपराधियों की सूची थानों में लगाए। साथ ही नकल, पशु, खनन और भू-माफिया आदि पर प्रभावी कार्रवाई करें। जनपद में भय मुक्त वातावरण बनाए रखें, महिलाओं की सुरक्षा पर शीर्ष प्राथमिकता दे। इतना ही नहीं एंटी रोमियो स्क्वाड टीम को पुनः क्रियाशील करें। जनपद स्तरीय अधिकारी जनसुनवाई-संवाद सुनिश्चित करें। आईजीआरएस एवं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का ससमय एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। शिकायतकर्ता की संतुष्टि शीर्ष प्राथमिकता प्रदान की जाए।

बैठक में सीएम योगी ने मेडिकल कॉलेज की कार्य पद्धति को ठीक करने व नियमित समीक्षा करने और जिन तहसीलों में अग्निशमन केंद्र नहीं है, वहां का प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश भी दिए। सीएम योगी ने कहा कि बाढ़ की तैयारियां पूर्व से ही सुनिश्चित करें बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों /परिवारों को दी जाने वाली राहत सामग्री की क्वांटिटी तथा क्वालिटी में किसी प्रकार की कंप्रोमाइज ना करें। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भारतीय ध्वज को प्रत्येक घर पर फहराया जाए इससे स्वयंसेवी संगठनों आदि को भी जोड़ा जाए तथा काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव 9 अगस्त 2024 को समारोह पूर्वक मनाया जाए। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधीक्षक को निर्देशित किया कि समारोह के दौरान जनपद में कानून व्यवस्था बेहतर बनाए रखें।

ईरान और उ.कोरिया आए साथ....अमेरिका और इजराइल के माथे पर शिकन ,दोनों अमेरिका के दुश्मन नंबर वन

तेहरान (ईएमएस)। उत्तर कोरिया और ईरान अपनी बढ़ती परमाणु आकांक्षाओं और मजबूत होकर द्विपक्षीय संबंधों के चलते हालिया समय में चर्चा में हैं। उत्तर कोरिया और ईरान, दोनों को अमेरिका के दुश्मन नंबर वन है। इसके बाद इन दोनों का करीब आना और खासतौर से सैन्य मोर्चे पर इनका सहयोग अमेरिका, इजरायल और उसके सहयोगियों की चिंता बढ़ा रहा है। खासकर ईरान और उत्तर कोरिया का अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाना अमेरिका को तंग कर रहा है। दोनों के बीच बढ़ते सहयोग से एक बड़े युद्ध का अंदेशा भी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने हाल ही में दक्षिण कोरिया की सीमा पर 250 नए बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर तैनात किए हैं। तानाशाह किम जोंग उन का दावा है कि मिसाइलों को परमाणु वारहेड से लैस किया जा सकता है और इनकी जद में साउथ कोरिया का बड़ा हिस्सा आता है।

जानकार मान रहे हैं कि इससे कोरियाई प्रायद्वीप पर संघर्ष की संभावना के बारे में चिंताएं बढ़ती हैं। दूसरी ओर ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं भी दुनिया से छुपी नहीं हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी डायरेक्टर राफेल ग्रॉसी ने बताया था कि ईरान के पास कई परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त यूरेनियम है। अमेरिकी और इजरायली खुफिया एजेंसियों ने परमाणु हथियारों के विकास से संबंधित रिसर्च में ईरानी वैज्ञानिकों की भागीदारी का खुलासा किया है। ईरान और उत्तर कोरिया दोनों ही पश्चिमी शक्तियों और उनके क्षेत्रीय सहयोगियों के विरोधी हैं। दोनों ने दशकों से एक रणनीतिक साझेदारी विकसित की है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि उ.कोरिया और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग को लेकर चिंतित है। खासतौर से दोनों देशों के बीच परमाणु और उन्नत मिसाइल प्रौद्योगिकी के संभावित प्रसार से वैश्विक सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण चिंताएं पैदा होती हैं। दोनों देशों की ये साझेदारी किसी बड़े संघर्ष को भी जन्म दे सकती है।

टयूनीशिया के पीएम हचानी को पद से हटाया

टयूनिस,(ईएमएस)। टयूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सैयद ने पीएम अहमद हचानी को बर्खास्त कर दिया है। यह जानकारी राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान जारी कर कही। राष्ट्रपति कैस सैयद ने सामाजिक मामलों के मंत्री कामेल मद्दौरी को देश का नया पीएम नियुक्त किया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने अपने बयान में बर्खास्तगी का कारण नहीं बताया है। हचानी को अगस्त, 2023 में टयूनीशिया का पीएम बनाया गया था।

दक्षिण कोरिया में पड़ रही भीषण गर्मी.....18 की मौत

सोल (ईएमएस)। दक्षिण कोरिया में लगातार गर्मी पड़ रही है। तापमान 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। इसके कारण अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गृह मंत्रालय के अनुसार 20 मई से गुरुवार तक कुल 1,907 लोग गर्मी से संबंधित बीमारियों से पीड़ित हुए हैं, और उसमें से 18 की मृत्यु हो गई। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान गर्मी से संबंधित रोगियों की संख्या 1,891 थी। इसमें 25 लोगों की मृत्यु हुई थी।

इस गर्मी से अब तक 4,20,000 पशुधन मार गए, जिसमें 3,93,000 मुर्गियां शामिल थीं। मछली फार्मों में लगभग 4,30,000 मछलियां भी मरी हुई पाई गईं। फिलहाल अधिकांश क्षेत्रों में तापमान लगभग 35 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा और यहां रात का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहेगा। गुरुवार को ग्योंगसांग प्रांतों के कुछ हिस्सों में 30 से 50 मिलीमीटर तक बारिश होने की संभावना है। वहीं कुछ क्षेत्रों में शुक्रवार तक गरज और बिजली के साथ बारिश जारी रहेगी।

बता दें कि 4 अगस्त तक दक्षिण कोरिया में बीमारियों के कारण 11 लोगों की मौत हुई थी। कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी के हवाले से बताया था कि 20 मई को सरकार की ओर से गर्मी से संबंधित बीमारियों के लिए निगरानी प्रणाली शुरू की गई थी। मानसून का सीजन खत्म होने के बाद देश में भीषण गर्मी पड़ रही है। देश के कई हिस्सों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है।

ट्रंप हर हाल में सत्ता चाहते हैं, बाइडन को खून खराबे का सता रहा है डर

वॉशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिका में चल रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर तरह तरह के कयास लगाए जा रहे है। राष्ट्रपति बाइडन को खून खराबे का डर लग रहा है। उन्होंने चैनल से बातचीत के दौरान कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव में हार जाते हैं तो शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण को लेकर उन्हें शक है। बाइडन ने कहा कि ट्रंप जो बोलते हैं उसका मतलब होता है जैसे उन्होंने कहा था कि अगर हम हारे तो खून-खराबा होगा।

उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप हार जाते हैं तो उन्हें ये विश्वास नहीं है कि कमला हैरिस को सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्ण तरीके से हो पाएगा। वह (ट्रंप) जो भी बोलते हैं, उसका मतलब होता है, लेकिन हम उन्हें गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन उनकी बातों का मतलब है जैसे कि उन्होंने कहा था कि- अगर हम हारे तो खून-खराबा होगा।

जो बाइडन को जो डर है वह बिल्कुल भी बेबुनियाद नहीं है। साल 2020 में जब जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में पटखनी दी थी, उस वक्त भारी हिंसा हुई थी। दंगाईयों की भीड़ अमेरिकी संसद में घुस गई थी और उस दौरान पुलिसकर्मियों समेत कई लोगों की मौत भी हुई थी। डोनाल्ड ट्रंप पर लोगों की भीड़ को उकसाने का भी आरोप है और इसे लेकर उनके खिलाफ मुकदमा भी चल रहा है। इस बार भी जिस तरह के हालात हैं, उन्हें देखते हुए भी डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर होने की उम्मीद है। यही वजह है कि जो बाइडन ने आशंका जताई है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप फिर हारे तो इस बार भी हिंसा हो सकती है।

बता दें कि राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के बाद जो बाइडन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस का समर्थन किया, जिन्होंने हाल ही में डेमोक्रेटिक नामांकन जीता है। पूर्व राष्ट्रपति पर वाशिंगटन डीसी और जॉर्जिया में भी आपराधिक आरोप लगाए गए थे, क्योंकि उन्होंने 2020 के चुनाव में बाइडन के खिलाफ जीत का झूठा दावा करके अवैध रूप से चुनाव को पलटने की कोशिश की थी। बाइडन का ये इंटरव्यू 2024 के राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद पहली बार सामने आया है। ट्रम्प के खिलाफ निराशाजनक बहस के प्रदर्शन के बाद साथी डेमोक्रेट्स के दबाव के कारण, राष्ट्रपति की उम्र और स्वास्थ्य के बारे में चिंताएं बढ़ गईं हैं।

वडोदरा के श्रमिकों से चुराई गई राजस्थान की सस्ती बाइक बेचने का नेटवर्क पकड़ा गया

वडोदरा,08अगस्त

वडोदरा शहर से नौकरीपेशा लोगों की हाईवे के पास खड़ी मोटरसाइकिलों को चुराकर राजस्थान में सस्ते दाम पर बेचने वाले दो वाहन चोरों को पुलिस ने पकड़ लिया।

वडोदरा से हलोल और आसपास के तालुकों की कंपनियों में काम पर जाने वाले कर्मचारी अपनी मोटरसाइकिलें राजमार्ग के पास पुल के नीचे और हरणी, कपूराई, वाघोडिया, हलोल, मानेक पार्क सर्कल, हवाई अड्डे, सामा जैसे क्षेत्रों में ऊपर-नीचे पार्क करते हैं।

ऐसे वाहनों पर नजर रखते हुए दो वाहन चोरों द्वारा मौके का फायदा उठाकर वाहन चोरी कर लिये गये। वडोदरा क्राइम ब्रांच की टीम ने अजबड़ी मिल से दो अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर यात्रा कर रहे नितेश कचुभाई डामोर (बिलपाडा बसवाड़ा राजस्थान, हाल-हिराबानग, बापोद जकातनाका, वडोदरा) और ईश्वरलाल रामचंद्र कटारा (लोहरिया बड़ा, कुशलगढ़ बसवाड़ा) को पकड़ा चोरी होने का खुलासा हुआ।

पुलिस द्वारा दोनों वाहन चोरों से आगे की गई पूछताछ में पता चला कि उन्होंने डेढ़ साल की अवधि में ऊपर और नीचे के नौकरशाहों को निशाना बनाकर 19 मोटरसाइकिलें चुराई थीं और उन्हें राजस्थान के दूरदराज के गांवों में सस्ते दामों पर बेच दिया था। इसलिए पुलिस ने सभी मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया है और आगे की जांच जारी रखी है।

मांडवी रोड पर एक डंपर से रिस रहे तेल की चपेट में कई वाहन चालक आ गए

वडोदरा 08 अगस्त

वडोदरा शहर के मांडवी चार दरवाजा इलाके में कल रात एक डंपर चंपानेर दरवाजा से गांधीगेट दरवाजा की ओर गुजरा। डंपर में तेल का रिसाव होने से तेल सड़क पर फैल गया। तेल रिसाव के कारण कई वाहनों के सड़क पर फिसलने की घटना सामने आई। दोपहिया वाहन चालक सड़क पर पानी फैला हुआ समझकर वहां से गुजरते वक्त सो गए। करीब 30 से 35 वाहन चालक फिसलकर गिरे, जिनमें से कई को मामूली चोटें आईं। जब आखिरकार कुछ जागरूक नागरिकों और पुलिस ने तेल रिसाव वाले स्थान पर बैरिकेड्स लगाकर सड़क को सुरक्षित कर दिया। गिरा हुआ तेल रेत और मिट्टी से ढका हुआ था।

अलग से 40000 फीस के बावजूद छात्रों को स्टडी टूर पर नहीं ले जाया गया

वडोदरा 08 अगस्त

वडोदरा एम.एस.यूनिवर्सिटी: एम.एस.यूनिवर्सिटी के ललित कला संकाय द्वारा संचालित एमआरआईडी (महाराजा रणजीत सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन) की 3.50 करोड़ की लागत से बनी अत्याधुनिक इमारत में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण छात्रों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

आज यहां अध्ययनरत करीब 200 छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शन कर संकायाध्यक्ष के समक्ष अपनी बात रखी। छात्रों के मुताबिक, यहां पढ़ने की फीस 1.40 लाख रुपये प्रति वर्ष है। हालाँकि, केवल दो स्थायी संकाय सदस्य हैं। बाकी विजिटिंग फैकल्टी पढ़ाना जारी रखते हैं। कैंटीन कभी भी खुलती है और कभी भी बंद हो जाती है। वॉशरूम अक्सर गंदे रहते हैं और हाल ही में वाटर कूलर में तिलचट्टे पाए गए थे। विद्यार्थियों को प्रयोगशाला में बैठने की भी अनुमति नहीं है।

छात्रों ने चौंकाने वाले आरोप लगाते हुए कहा कि पूरे साल की फीस में 40 हजार रुपये स्टडी टूर के लिए होते हैं लेकिन पिछले दो साल से छात्रों को स्टडी टूर पर नहीं ले जाया गया है। साथ ही छात्रों को जन्माष्टमी और गणपति जैसे धार्मिक त्योहार मनाने की भी अनुमति नहीं है।

छात्रों ने कहा कि कुलाधिपति, कुलपति, कुलसचिव और डीन के समक्ष अपनी समस्या रखने के 10 दिन बाद भी हमारी समस्या का समाधान नहीं होने पर आज हमें प्रदर्शन करना पड़ा। हमें अधिकारियों द्वारा परोक्ष रूप से धमकी दी जा रही है लेकिन हम आंदोलन जारी रखेंगे।'

श्रावण माह में सूरत नगर पालिका का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट,

सूरत,8 अगस्त

श्रावण माह की शुरुआत के साथ ही शहर में फराली आटे की बिक्री की धूम मच गई है। फराली के आटे में मिलावट है या नहीं, इसकी जांच के लिए नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग की टीम आज सुबह से ही शहर के अलग-अलग इलाकों में पहुंच गई थी। फराली आटा विक्रेताओं से आटे के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं।

श्रावण महीने की शुरुआत के साथ, सूरती अधिक धार्मिक हो जाते हैं और बड़ी संख्या में लोग उपवास कर रहे हैं। इस व्रत के दौरान सूरती लोग तरह-तरह के व्यंजन खाते हैं। इस फराली डिश के लिए शहर में जगह-जगह फराली का आटा बेचा जा रहा है। सूरत में बिकने वाला आटा शुद्ध है या मिलावटी, इसकी जांच के लिए मनपा के खाद्य विभाग की एक टीम आज सुबह से ही निकल पड़ी है। मनपा अधिकारियों ने सूरत शहर के विभिन्न इलाकों में आटा बेचने वाले व्यापारियों के पास जाकर आटे के नमूने लेना शुरू कर दिया है। इस आवारा लॉट के नमूने परीक्षण के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला में भेजे गए हैं। यदि किसी संस्थान से लिया गया नमूना मिलावटी पाया गया तो नगर पालिका उसके खिलाफ कार्रवाई करेगी।

गुजरात में पीएम जनमन योजना के तहत हजारों आदवासियों को मिले आवास

गांधीनगर (ईएमएस)मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात में जनजातीय क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की अपूर्ण आवश्यकताओं और सुविधाओं को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) के अंतर्गत राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा अनेक प्रकार के कार्य शुरू किए गए हैं। इस अभियान के अंतर्गत आदिवासी परिवारों को आवास सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुल 7123 लाभार्थियों के लिए आवास सहायता मंजूर करने के साथ ही पीएम जन-धन योजना के तहत 12,229 आदिवासी लोगों के बैंक खाते खोले गए हैं। इसके अलावा, इस अभियान के तहत गुजरात में आदिम समूहों की बस्तियों और गांवों में सामुदायिक एवं आर्थिक उपार्जन की गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से 39 बहुउद्देशीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। भारत सरकार ने इसके लिए 23.40 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि भारत के जनजातीय समुदाय तथा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने नवंबर-2023 में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) को मंजूरी दी थी। पीएम-जनमन के अंतर्गत 24 हजार करोड़ रुपए के बजट के साथ केंद्र सरकार के 9 मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण कार्यों-सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

आदिम समूह की बस्तियों और गांवों में आंगनवाड़ियों की अपूर्ण सुविधाओं की पहचान कर लगभग 67 बस्तियों और गांवों के लिए 67 नई आंगनवाड़ियां बनाने का प्रस्ताव भेजा गया है, जिसे भारत सरकार ने मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, आदिवासियों के आंतरिक इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए जनवरी-2024 से 17 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित किए गए हैं। पीएम-जनमन अभियान के तहत भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की ओर से आदिम समूह बहुल बस्तियों वाले क्षेत्रों में बच्चों के शैक्षणिक विकास के उद्देश्य से 11 नए छात्रावासों की स्थापना को स्वीकृति दी गई है।

वडोदरा के छानी न्यू यार्ड इलाके में सीवेज समस्या को लेकर टीपी 13 पानी टंकी पर लोगों का हंगामा

वडोदरा 8 अगस्त

वडोदरा गंदा पानी: वडोदरा छानी टीपी 13 क्षेत्र में चॉकलेट रंग का पानी वितरित किया गया। वार्ड क्रमांक 2 के अंतर्गत परिमल सोसायटी, गोवर्धन डिवीजन दो, अमरधाम, मेघधनुष, श्री दर्शन, दक्ष पार्क, सत्यनारायण टाउनशिप सहित क्षेत्र में टीपी 13 टैंक के कमांड एरिया से गंदा पानी आ रहा था। इसलिए नागरिकों को काफी परेशानी हो रही है। फिर आज वार्ड नंबर एक की महिला पार्षद के नेतृत्व में स्थानीय निवासियों का एक मार्च टीपी 13 पानी टंकी के पास पहुंचा और जमकर हंगामा किया।

वडोदरा शहर के न्यू यार्ड और टीपी 13 क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से पीने का पानी गंदा आ रहा है। कई जगहों पर चॉकलेटी रंग का पानी भी पाया जाता है। ऐसे में स्थानीय लोगों ने आज कांग्रेस की महिला पार्षदों को इसकी सूचना दी तो वे दलबल के साथ टीपी 13 पानी टंकी पर पहुंचीं और हंगामा करते हुए जमकर हंगामा किया।

नये कलेक्टर कार्यालय में टपका पानी: फाइलों के बक्से हटाये गये

भूमि सुधार शाखा के रिकार्ड रूम में वाटर एज सिस्टम जल्दी चलने लगा

वडोदरा 08 अगस्त

नया कलेक्टर कार्यालय लीक: फाइलें हटाई गईं 1 - छवि वडोदरा शहर के दिवालीपुरा में 8 तारीख को नई कलेक्टर कार्यालय राजवाड़ी डिजाइन बिल्डिंग का घटिया निर्माण पहली बारिश में ही उजागर हो गया है। प्रथम तल पर भूमि सुधार कार्यालय के रिकॉर्ड रूम में पानी का स्तर गिरने से कर्मचारियों को तुरंत अंदर रखे फाइल पैकेट हटाने पड़े।

गौरतलब है कि पांच माह पहले ही नए कलेक्टर कार्यालय का शुभारंभ हुआ था। करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से बने इस कार्यालय का निर्माण शुरू से ही विवादों में रहा। उद्घाटन से एक दिन पहले टाइल्स टूटने की घटनाएं सामने आई थीं और पहली बारिश में ही इमारत की खराब परफॉर्मेंस उजागर हो गई थी। आज शाम को भारी बारिश हुई और कलेक्टर कार्यालय के प्रथम तल पर पिछले विंग में स्थित भूमि सुधार कार्यालय के रिकॉर्ड रूम में छत से पानी की धारें फाइलों के बक्सों पर गिरने लगीं।

मृदा स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए नैनो यूरिया सर्वोत्तम विकल्प: कृषि मंत्री राघवजी पटेल

वडोदरा 08 अगस्त

गुजरात में व्यापक बारिश के बाद राज्य के किसानों ने प्रचुर मात्रा में फसलें लगाई हैं। किसान अब अधिक फसल उत्पादन और आय प्राप्त करने के लिए आर्थिक रूप से सक्षम होने के लिए कृषि में अपना जीवन लगा रहे हैं। लेकिन राज्य में कुछ किसान अधिक आय के चक्कर में रासायनिक उर्वरकों और पारंपरिक दानेदार यूरिया उर्वरकों का अंधाधुंध उपयोग कर रहे हैं, जो मिट्टी के स्वास्थ्य के अलावा पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाता है।

कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने राज्य के किसानों को दानेदार यूरिया की जगह नैनो यूरिया का उपयोग करने की सलाह देते हुए कहा कि नैनो यूरिया की 500 मिलीलीटर की एक बोतल, 45 किग्रा. दानेदार यूरिया का एक बैग अच्छा है. साथ ही, नैनो यूरिया की दक्षता दानेदार यूरिया की तुलना में 90 प्रतिशत से भी अधिक है। जब दानेदार यूरिया को खेत में डाला जाता है, तो उर्वरक का केवल 20 से 30 प्रतिशत ही नाइट्रोजन के रूप में उपयोग किया जाता है। जबकि बाकी यूरिया खाद के रूप में बर्बाद हो जाता है। उर्वरक की बर्बादी रोककर मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए नैनो यूरिया सबसे अच्छा विकल्प है।

कृषि मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने किसानों को दानेदार यूरिया के बजाय नैनो यूरिया का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इस वर्ष एक नई प्रोत्साहन योजना लागू की है। इस योजना के तहत किसानों को नैनो यूरिया की खरीद पर प्रति हेक्टेयर अधिकतम रु. एकमुश्त खरीद मूल्य पर 750 रुपये की सहायता दी जाएगी। वर्ष 2024-25 के दौरान इस योजना के तहत 45 लाख नैनो यूरिया बोतलों पर सहायता दी जाएगी। नैनो यूरिया के उपयोग को प्रोत्साहित करने वाली इस योजना के लिए बजट में रु. 45 करोड़ रुपये उपलब्ध कराये गये हैं।

मंत्री राघवजी पटेल ने राज्य के किसान मित्रों से अपील करते हुए कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भी गुजरात सरकार द्वारा नैनो यूरिया के लिए लागू की गई प्रोत्साहन योजना की तुलना करते हुए अधिक से अधिक किसानों को दानेदार यूरिया के बजाय नैनो यूरिया का उपयोग करने की वकालत की. किसानों को नैनो यूरिया उनके नजदीकी उर्वरक डिपो, सहकारी समितियों, कृषि व्यापार केंद्र, उर्वरक दुकान पर आसानी से उपलब्ध हो जाएगी। चूंकि यूरिया की बोतलें छोटी होती हैं, इसलिए किसान खरीदारी के लिए बाजार जाते समय एक बैग में दो-पांच बोतल यूरिया आसानी से ले जा सकते हैं।

यहां बता दें कि नैनो बायो-टेक्नोलॉजी से विकसित नैनो यूरिया दुनिया का पहला पेटेंट-मुक्त स्वदेशी तरल यूरिया उर्वरक है। फसलों को नाइट्रोजन की मात्रा प्रदान करने के लिए तरल यूरिया दानेदार यूरिया का सबसे अच्छा विकल्प है। पौधों पर स्प्रे पंप का उपयोग करके नैनो-यूरिया का पर्णीय छिड़काव मिट्टी के क्षरण के साथ-साथ मिट्टी, वायु और पानी के प्रदूषण को रोकता है।

देर शाम दो घंटे में तीन इंच बारिश से वडोदरा जलमग्न, रात तक हुई चार इंच बारिश

वडोदरा 08 अगस्त

देर शाम दो घंटे में तीन इंच बारिश से वडोदरा जलमग्न हो गया 1-इमेज वडोदरा, 8 वडोदरा शहर में आज शाम हवा के साथ मूसलाधार बारिश हुई। शाम पांच से छह बजे तक एक इंच और शाम छह से आठ बजे तक लगातार तीन इंच तेज बारिश होने से शहर में जगह-जगह पानी भर गया। शाम को लोग जाम में फंसे रहे. शहरवासियों को 24 जुलाई को हुई भारी बारिश याद आ गयी. तीन घंटे में चार इंच बारिश से शहर हुआ पानी-पानी..

आज सुबह और दोपहर में मौसम साफ था लेकिन शाम को मौसम बदला और वडोदरा में आंधी का असर देखा गया. शाम साढ़े चार बजे के बाद अचानक बादल घिर आए और ठंडी हवाओं के साथ पहले धीमी और बाद में मूसलाधार बारिश होने लगी। तीन घंटे तक हुई भारी बारिश से शहर के ज्यादातर हाईवे पर पानी भर गया. चूंकि रेलवे स्टेशन का गार्नालू भी बंद था, पूर्व और पश्चिम क्षेत्रों के बीच संचार प्रभावित हुआ।

ओवरब्रिज पर भी जाम लगने से हजारों वाहन चालक फंसे रहे. शाम के व्यस्त समय में भारी बारिश के कारण लोग सड़क पर फंस गए। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार शाम 4 बजे से 6 बजे तक करीब एक इंच और 6 बजे से 8 बजे तक 3 इंच बारिश हुई. एक ही दिन में चार इंच बारिश होने से कारेलीबाग में मुक्तानंद सर्किल के पास हमेशा की तरह जलभराव हो गया, इसके अलावा रावपुर रोड, लहरीपुरा गेट, दांडियाबाजार, गोत्री रोड सहित अन्य सड़कों पर भी पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार शहर में सुबह में आर्द्रता 89 प्रतिशत और शाम में 94 प्रतिशत रही. इसके अलावा अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री दर्ज किया गया. आज पछुआ हवा की गति 11 किमी प्रति घंटा है. प्रति घंटा जबकि शाम छह बजे 20 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज किया गया.

वडोदरा शहर:सड़क सीमा से लगी लगभग 80 झोपड़ियों को सिस्टम द्वारा साफ किया गया: मंगल बाजार का दबाव फिर से हटाया

वडोदरा 08 अगस्त

वड़ोदरा शहर में हर तरफ बिल्ली की छत की तरह कच्चा दबाव फूट पड़ा है। उस समय मनपा व्यवस्था की प्रवर्तन शाखा ने सामा-सावली-छानी नहर रोड अभिलाषा क्षेत्र में नहर के समानांतर बनी कच्ची झोपड़ियों के अवैध दबावों को हटा दिया और एक ट्रक का सामान जब्त कर नगर निगम के स्टोर में जमा करा दिया. वहीं शहर के हृदयस्थली कहे जाने वाले मंगल बाजार क्षेत्र में भी दबाव शाखा की टीम ने लारी गाड़ा बिस्तर से दबाव हटाया. हालाँकि ये दबाव सिस्टम द्वारा कल भी हटा दिए गए थे, लेकिन सिस्टम टीम के वापस लौटने के बाद दबाव एक बार फिर उसी स्थान पर सेट हो गए।

यहां बता दें कि सामा-सावली-छानी नहर मार्ग पर अभिलाषा की ओर नहर के समानांतर करीब 80 कच्ची झोपड़ियां कुछ समय के लिए बनाई गई थीं। नगर निगम सिस्टम को इस संबंध में बार-बार शिकायतें मिल रही थीं। जिसके चलते आज दबाव शाखा की टीम वार्ड नंबर 2 के वार्ड अधिकारी की टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंची. कंटन प्रकाश शाखा की टीम द्वारा स्थल पर बनी लगभग 80 कच्ची झोपड़ियों, जिनमें बांस और प्लास्टिक भी शामिल थीं, को हटा दिया गया और कच्ची झोपड़ियों पर बुलडोजर चलाकर सड़क को साफ कर दिया गया। तभी स्थानीय निवासी यह तमाशा देखने के लिए एकत्र हो गये। इसी प्रकार कल मंगल बाजार क्षेत्र में दुकानदारों द्वारा लटकाए गए लॉरी-गाड़ा, तख्त सहित बिस्तर के दबावों को हटाने के बाद आज एक बार फिर दबाव शाखा की टीम ने पुनर्गठन करते हुए अवैध दबावों को हटाकर मंगल बाजार का रास्ता खुलवाया।

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस; फंड बढ़ने और लाभार्थी घटने से 'दाल में काला'- कांग्रेस

वडोदरा 08 अगस्त

कल 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाएगा. राज्य और केंद्र सरकार की कई योजनाएं गरीबों और पिछड़े आदिवासियों के उत्थान के लिए काम कर रही हैं. उस समय कांग्रेस प्रवक्ता पार्थिवराज कठवाडिया ने सरकार की योजनाओं और लाभ लाभार्थियों तक नहीं पहुंचने को लेकर कुछ सवाल उठाए थे. यह सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है कि गरीब पिछड़े आदिवासी, किनारे पर रहने वाले जरूरतमंद लोग उन्हें मिलने वाले अधिकारों से वंचित न रहें। प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रों के लिए सरकार द्वारा आदिवासी छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति का अनुदान पिछले 5 वर्षों में लगातार बढ़ रहा है जबकि लाभार्थियों की संख्या घट रही है।

यह समझ में नहीं आता आदिवासी छात्रों की संख्या घटी है तो सवाल उठता है कि क्या लाभुक कम हो गये हैं? केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2019-2020 में गुजरात राज्य के प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लाभार्थी 1,75 हजार से अधिक थे, वर्ष 2023-24 में यह घटकर आधे यानी 90,755 हो गए हैं। गुजरात राज्य में पोस्ट मैट्रिक में छात्रवृत्ति पाने वाले छात्र वर्ष 2019-20 में 242454 लाभार्थी थे जो वर्ष 2023-24 में घटकर 160555 लाभार्थी रह गए हैं। गुजरात राज्य के आदिवासी छात्रों को प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए वर्ष 2019-20 में 3361.34 लाख का फंड दिया गया, जो वर्ष 2023-24 में 5770.95 लाख का फंड है। वर्ष 2019-20 में पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए 22883.89 लाख का फंड उपलब्ध कराया गया था, जबकि वर्ष 2023-24 में 26051.45 लाख का फंड उपलब्ध कराया गया है। किस प्रकार की योजना में धन आवंटन बढ़ रहा है और लाभार्थी घट रहे हैं? कई निजी विश्वविद्यालय और कॉलेज सरकार द्वारा जारी फ्रीशिप कार्ड स्वीकार नहीं करते हैं और कई छात्रों ने शिकायत की है कि छात्रों से चेक लिया जाता है। सरकारी कार्यालयों की अव्यवस्था और प्रशासनिक व्यवस्था की लचर कार्यप्रणाली का खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है।

पिछले एक साल में देशभर से 13,35,878 छात्र विदेश पढ़ाई के लिए गए हैं। जबकि साल 2019-20 तक 60,81,577 छात्र विदेश पढ़ाई के लिए गए हैं। केंद्र सरकार की जनजातीय छात्रों के लिए राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रति वर्ष केवल 20 सीटें हैं। पिछले पांच वर्षों में, संकटग्रस्त छात्रों के लिए राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति के तहत गुजरात से केवल एक छात्र का चयन किया गया है और केवल एक छात्र को लाभ हुआ है।

गुजरात राज्य में आदिवासियों के उत्थान की बात सिर्फ कागजों पर है, जबकि हकीकत यह है कि यह जमीन पर है। यह दुखद है कि गरीब और दूरदराज के गरीब आदिवासियों के लिए यह योजना कितनी अलग है, जब देश से लाखों छात्र विदेश में पढ़ने जाते हैं, तो देश में केवल 20 आदिवासी छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिलता है। बढ़ती निधि और घटते लाभार्थी यह स्पष्ट करते हैं कि कहीं न कहीं कुछ गलत हो रहा है। देश में आदिवासियों की आबादी 8.6% और गुजरात में 14.8% है। यह कहां तक सही है कि गुजरात के आदिवासी इलाकों के लाखों छात्रों को छात्रवृत्ति जैसी लाभों से वंचित किया जाए और शिक्षा प्रणाली में परेशान किया जाए? विश्व आदिवासी दिवस पर हम भाजपा सरकार से मांग करते हैं कि वंचित विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का शीघ्र लाभ दिलाने के लिए त्वरित कार्रवाई की जाए।

सूरत में नगर पालिका ने दशामा विसर्जन के लिए 5 स्थानों पर कृत्रिम तालाब बनाए

सूरत,8 अगस्त

सूरत से गुजरने वाली तापी नदी में मूर्ति विसर्जन को रोकने के लिए, नगर पालिका गणेश उत्सव और दशमा उत्सव के दौरान मूर्ति विसर्जन के लिए एक कृत्रिम तालाब बनाती है। चूंकि इस वर्ष भी दशम का त्योहार भव्य तरीके से मनाया जा रहा है, इसलिए नगर पालिका ने शहर में पांच स्थानों पर कृत्रिम तालाबों का निर्माण कराया है।

सूरत से गुजरने वाली तापी नदी में प्रदूषण रोकने के लिए तापी शुद्धिकरण परियोजना के बाद नगर निगम व्यवस्था सख्त हो गई है, साथ ही आदेश दिया गया है कि तापी नदी में किसी भी तरह की कोई मूर्ति नहीं प्रवाहित की जाएगी। नगर पालिका पिछले कई वर्षों से किसी भी प्रतिमा के विसर्जन के लिए कृत्रिम तालाब का निर्माण करा रहा है.

हर साल की तरह इस साल भी सूरत में दशामा की प्रतिमा स्थापित की गई है. इस उत्सव के समापन के बाद प्रतिमा को निष्क्रिय करने का कार्य किया जाना है। इसलिए, नगर पालिका ने दशम प्रतिमा के विसर्जन के लिए 5 स्थानों पर कृत्रिम तालाबों का निर्माण किया है।

भूमि नियमों का उल्लंघन: हरणी भूमि के मामले में सरकार को 62 करोड़ रुपये की हानि हुई

वडोदरा 08 अगस्त

जमीन बिक्री में बिल्डरों और अधिकारियों की मिलीभगत से सरकार को राजस्व हानि पहुंचाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। फर्जी किसान होने के बावजूद सरकारी कार्यालय में फर्जी तरीके से एंट्री कर किसान और किसानी के बीच लेनदेन होने की बात बताकर सरकार को लाखों रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाने का ब्यौरा सामने आया है। विनुभाई जीवाभाई पटेल वडोदरा शहर के हरणी इलाके में सर्वे नंबर 187 के मूल भूमि मालिक थे। उन्होंने जमीन वडोदरा के गैर-किसान भरत शंकरलाल सोमानी और रामजीभाई परबड़िया को बेच दी। हालाँकि, अधिकारी ने यह स्थापित करके कि भूमि बिक्री लेनदेन किसान-किसान के बीच था, भूमि प्रविष्टि को गलत तरीके से प्रमाणित करने के लिए आगे बढ़े। 8,145 वर्ग मीटर का यह बेशकीमती प्लॉट भरत सोमानी और रामजीभाई के वारिसों ने हरमनभाई चंदूभाई पटेल को बेच दिया था. पहले विनुभाई जीवाभाई पटेल ने जमीन किसान को बेची और फिर गैर-किसान ने उसे वापस किसान को बेच दी और सरकार के झूठे सबूतों के आधार पर जमीन को बंजर कर दिया गया।

एक नियम के रूप में, अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन किया जाता है यदि कोई कृषक जिसके पास भूमि है, वह भूमि को गैर-कृषक को बेचता है और फिर गैर-कृषक उस भूमि को कृषक को वापस बेच देता है। फिर सरकार द्वारा निर्धारित जंत्री राशि का 30% जुर्माना लगाया जाता है। इस संबंध में राजस्व विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है. हालाँकि, भरत सोमानी और रामजीभाई परबदिया के उत्तराधिकारियों ने बार-बार इस ज़मीन का बैनामा हरमनभाई चंदूभाई पटेल को कर दिया। ज़मीन बंजर हो जाने के बाद, हरमनभाई चंदूभाई पटेल ने 7 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि जमा की और उन्होंने इसे भरत सोमानी के नाम कर दिया। टाइटल डीड और दस्तावेज़ में कहा गया है कि भूमि पर खेती करने के लिए पर्याप्त लेनदेन किया गया है। मूल विक्रेता द्वारा 7 करोड़ की मुआवजा राशि स्वीकार की गई है या नहीं, यह भी जांच का विषय है। भरत सोमानी ने संशोधित दस्तावेज में यह राशि हरमनभाई को दी है। यह भी खुलासा हुआ है कि सरकार के नियमानुसार करोड़ों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है. जंत्री के मुताबिक, हरनी इलाके की जमीन की कीमत 20.94 करोड़ रुपये है और अगर उल्लंघन के लिए इस पर 30% जुर्माने की गणना की जाए, तो सरकार को कुल 62.85 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ है।

इस विवादित जमीन को लेकर सरकार की ओर से मामलतदार कृषि आयोग में केस चल रहा है. जिसमें जमीन मालिक विनुभाई पटेल और जमीन किरायेदार रामजीभाई परवदिया और उनके परिवार के सदस्यों के अलावा जमीन खरीदार भरत सोमानी को नोटिस दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि गुजरात भूमि प्रशासन और कृषि भूमि अधिनियम 1948 की धारा 63 के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है। तो स्थानांतरण अधिनियम, 1948 की धारा 84सी के तहत इस स्थानांतरण को अवैध क्यों घोषित किया गया? यह जमीन सरकार के हाथ में क्यों न दे दी जाये? न्याय के हित में मामलातदार और कृषि आयोग को कारण बताने के लिए वडोदरा की अदालत में पेश होना चाहिए। नोटिस में, मूल भूमि मालिकों को 1951/52 के बाद से पिछले राज्य के भूमि रिकॉर्ड में दर्ज किए गए परिवर्तनों के विवरण के साथ और सबूत प्रस्तुत करना होगा कि हस्तांतरित व्यक्ति एक कृषक है।

जमीन पर 300 फीसदी जुर्माना वसूलने के बाद अगर जमीन मालिक किसान ने जमीन किसी गैर किसान को बेच दी है और फिर गैर किसान ने जमीन किसान को बेच दी है तो श्री सरकार को 300 फीसदी जुर्माना वसूलना होगा और इसकी बरामदगी के बाद यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि ऐसी जमीन को मूल भूमि मालिक या फिर श्री सरकार को वापस कर दिया जाना चाहिए। अब कृषि आयोग राज्य सरकार के आदेश के मुताबिक काम करेगा या नहीं, इसकी जानकारी उनके आदेश के बाद ही सामने आएगी।

स्कूल वैन ने 5 साल के बच्चे को कुचला, घटनास्थल पर मौत

सूरत (ईएमएस) शहर से सिंगापोर से एक दिल दहला देनेवाली घटना सामने आई है सूरत की एक स्कूल वैन की चपेट में आकर 5 साल के बच्चे की मौत हो गई यह घटना उस वक्त हुई जब ड्राइवर स्कूल वैन रिवर्स ले रहा था और बच्चा वहीं खेल रहा थ सिंगापोर पुलिस ने स्कूल वैन के ड्राइवर को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शरू की हैं जानकारी के मुताबिक सूरत के सिंगणपोर के नंदनवन सोसायटी निवासी पारसण नागिरा डायमंड कंपनी में काम करते हैं पारस नागिरा का 5 वर्षीय बेटा श्लोक दोपहर के वक्त सोसायटी में घर के बाहर खेल रहा थ इस वक्त शहर की शारदा स्कूल वैन विद्यार्थियों को छोड़ने सोसायटी में आई थी विद्यार्थियों को छोड़ने के बाद ड्राइवर संजय वैन को रिवर्स ले रहा थ उस वक्त पांच साल का श्लोक स्कूल वैन की चपेट में आ गया हादसे के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए

सूरत की हीरा फैक्ट्री के 50000 कर्मचारी बेरोजगार

सूरत (ईएमएस) अमेरिका और यूरोप में आई मंदी के कारण सूरत के 50000 हीरा कर्मचारियों को हीरा फैक्ट्री ने जबरिया छुट्टी पर भेज दिया है। अभी उन्हें 17 दिन के लिए अवेतनिक छुट्टी पर भेजा गया है। जिस तरह के हालात बन गये हैं उसमें कहा जा रहा है, हीरा कंपनी ने अपने कर्मचारियों की छुट्टी कर दी है। सूरत की किरण जेम्स नाम की कंपनी ने 50000 से अधिक कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी ने इन कर्मचारियों को 10 दिन की अनिवार्य वैतानिक छुट्टी पर भेजा है। इसी बीच 15 अगस्त और रक्षाबंधन इत्यादि की भी छुट्टी है कुल मिलाकर 17 दिन की छुट्टी पर भेजा गया है। हीरा कंपनी का कहना है, पिछले 1 महीने से कोई नए ऑर्डर नहीं आ रहे हैं। हीरे की बिक्री दुनिया भर में बहुत कम हो गई है।

इनऑर्बिट मॉल वडोदरा ने 9-11 अगस्त तक मध्यरात्रि बिक्री की घोषणा की

वडोदरा, 8 अगस्त, 2024: इनऑर्बिट मॉल वडोदरा ने अपने अब तक के सबसे रोमांचक कार्यक्रम की घोषणा की है, यह घोषणा करते हुए कि मॉल की आधी रात की बिक्री इनऑर्बिट नाइटआउट 9 से 11अगस्ततक भव्य रूप से आयोजित की जा रही है। इस अवधि के दौरान, मॉल में 50 से अधिक भाग लेने वाले ब्रांड शामिल होंगे। 70% तक की अद्वितीय छूट के साथ दोपहर 12:30 बजे तक जारी रहेगा और इतना ही नहीं, शॉपिंग फेस्टिवल के साथ मनोरंजन कार्यक्रमों की एक श्रृंखला भी होगी जो हर रात 9 बजे शुरू होगी -9 तारीख को स्टैंड-अप के साथ शुरू होगी प्रसिद्ध हास्य कलाकार राघव ठक्कर के कॉमेडी एक्ट के बाद 10 अगस्त को प्रसिद्ध संगीतकार देव सिंह और उनके बैंड द्वारा एक वाद्य संगीतमय रात होगी और 11 अगस्त को प्रसिद्ध गायक आशीष शर्मा के लाइव संगीत शो केसाथसमापन होगा। चाहे आप अपना वॉर्डरोब अपडेट कर रहे हों या कुछ नया ढूंढ रहे हों, यह सेल आपके लिए सुनहरा अवसर है! शॉपर्स स्टॉप, मैक्स, पैंटालून, कैल्विन क्लेन, यूएस पोलो, टॉमी हाइफिगर, और, मेट्रो, मोची, क्रॉक्स, ओनली, जैकएंड जोन्स, रेयर रैबिट, नायका, एडि डास, ब्लैकबेरी, वाइल्डक्राफ्ट, लेविस, पेपे जीन्स, बैगिट, वीआईपी, जिंक लंदन, एयरनिसिटी जैसे कई शीर्ष ब्रांडों के विशेष ऑफर को न चूकें। जब आप मॉल मेंहों, तो अपने पसंदीदा आउटलेट के भोजन का स्वाद लेना न भूलें। कैलिफ़ोर्निया बरिटो और सबवे भी आधी रात की बिक्री के दौरान ऑफ़र चलाएंगे। तोआप किस बात की प्रतीक्षा कर रहे हैं? इन तिथियों को अपने कैलेंडरमें चिह्नित करें और इनऑर्बिट नाइटआउट में खरीदारी और मनोरंजन की एक अविस्मरणीय रात के लिए हमसे जुड़ें, जहां अविश्वसनीय सौदे और लाइव प्रदर्शन की प्रतीक्षा है!

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96